सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

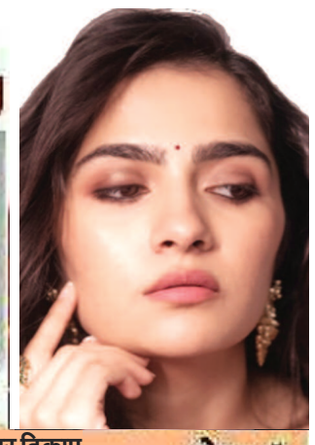

रायपुर वनडे से पहले स्टेन का बड़ा बयानः रोहित-विराट का जलवा -पेज: 7

रुक्मिमणी वसंत का सीक्रेट माइंड मैजिक जो उन्हें जमीन पर टिकाए -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 234 | बुधवार 03 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

आंध्र-तेलंगाना में सियासी तकरार, कोनासीमा पर बयान से भड़के मंत्री, पवन कल्याण की फिल्म पर खतरा

आंध्र प्रदेशः आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच राजनीतिक विवाद तब और बढ़ गया जब तेलंगाना के सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकटरेड्डी ने चेतावनी दी कि पवन कल्याण की फि ल्में राज्य में तब तक रिलीज नहीं होंगी जब तक वे कोनासीमा पर अपनी हालिया टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांग लेते। वेंकटरेड्डी ने एक तीखा बयान जारी करते हुए कहा कि वह सिनेमैटोग्राफी मंत्री के तौर पर बोल रहे हैं और जोर देकर कहा कि आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री की टिप्पणी अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि पवन कल्याण राजनीति में नए हो सकते हैं, लेकिन राज्य बनने के एक दशक से भी ज्यादा समय बाद तेलंगाना को निशाना बनाकर बयान देना अनावश्यक था। उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि चिरंजीवी ने कभी भी भड़काऊ टिप्पणी नहीं की, लेकिन पवन कल्याण की फि ल्में बिना माफी माँगे तेलंगाना में प्रतिबंधित कर दी जाएँगी।

सरदार पटेल के आदर्शों पर भाजपा : जेल में 30 दिन से ज्यादा रहे मंत्री देंगे इस्तीफा, राजनाथ सिंह का वादा

नई दिल्ली एजेंसीः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर उनकी विरासत को पुनर्जीवित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया और पटेल के भ्रष्टाचार विरोधी दृष्टिकोण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। सरदार सभा में बोलते हुए, रक्षा मंत्री ने पार्टी द्वारा 130वें संविधान संशोधन को लागू करने के कदम का हवाला दिया, जिसके तहत 30 दिनों से अधिक समय तक जेल में रहने पर मंत्रियों को इस्तीफा देना होगा। सभा को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भ्रष्टाचार को लेकर बहुत सख्त थे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि किसी भी मंत्री के खिलाफ, चाहे वह किसी भी पद पर क्यों न हो, किसी

भी शिकायत की जाँच होनी चाहिए। अगर आरोप सही पाए जाते हैं, तो मंत्री को तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सरदार वल्लभभाई पटेल की इस इच्छा का स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भाजपा ने सम्मान किया है... हमने संविधान के 130वें संशोधन विधेयक को संसद में पारित कराने का भी निर्णय लिया है। अगर कोई पदधारी व्यक्ति 30 दिन से ज्यादा जेल में रहता है, तो उसे अपने पद से इस्तीफा देना होगा। हम इस कानून को भारत की संसद में पारित कराने का प्रयास कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हम यहाँ सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाने आए हैं... कुछ राजनीतिक ताकतें थीं जो चाहती थीं कि सरदार वल्लभभाई पटेल इतिहास के पन्नों में गुम हो जाएँ। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें इतिहास के पन्नों में एक चमकते सितारे के रूप में फिर से स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है। चल रही सरदार @150 पदयात्रा ने कुल मिलाकर 72 किलोमीटर की दूरी तय की है, जो पटेल के राष्ट्रीय एकता और नागरिक उत्तरदायित्व के संदेश का प्रचार करती है। यह पदयात्रा उनके आदर्शों के प्रति एक जीवंत श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करती है, समुदायों को अनुशासन, एकता और समर्पित सेवा अपनाने के लिए प्रेरित करती है और साथ ही देश भर में सहभागी नागरिकता को मजबूत करती है। इस बीच, 20 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया संविधान (एक सौ तीसवाँ संशोधन) विधेयक, 2025, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का एक ढाँचा प्रस्तावित करता है, यदि वे पाँच वर्ष या उससे अधिक के कारावास से दंडनीय गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिनों से अधिक समय तक जेल में रहते हैं।

जो भ्रष्टाचार के प्रति पटेल के कड़े रुख को दशार्ता है

सरदार पटेल की इच्छा के अनुरूप, राजनाथ सिंह ने घोषणा की कि 30 दिन से अधिक जेल में रहने वाले मंत्रियों को इस्तीफा देना होगा, जिसका श्रेय पीएम मोदी को सरदार पटेल की विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए दिया गया। यह 130वें संविधान संशोधन के माध्यम से लागू किया जाएगा, जो भ्रष्टाचार के प्रति पटेल के कड़े रुख को दशार्ता है और राष्ट्र निर्माण में नागरिक उत्तरदायित्व पर जोर देता है।

संसद में कुत्ता लाए जाने पर हुए विवाद के बीच बोले राहुल गांधी आज कुत्ता ही मेन टॉपिक...

नई दिल्ली एजेंसीः सोमवार को संसद भवन में उस समय विवाद उत्पन्न हो गया जब कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी कुछ देर के लिए एक पिल्ला लेकर संसद भवन परिसर में आईं। इस पर विभिन्न दलों की प्रतिक्रियाएं सामने आईं और ऑनलाइन बहस शुरू हो गई। आज लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर पत्रकारों से खुलकर बातचीत करते हुए कांग्रेस सांसद द्वारा कुत्ता लाए जाने पर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी। राहुल गांधी ने कहा कि आजकल भारत शायद इन्हीं मुद्दों पर चर्चा कर रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि आज कुत्ता ही मुख्य विषय है। उन्होंने कहा कि बेचारे कुत्ते ने क्या किया? क्या यहाँ कुत्तों का आना मना

है? अंदर तो है...शायद पालतू जानवरों का आना मना है...मुझे लगता है कि आजकल भारत इन्हीं मुद्दों पर चर्चा कर रहा है। चौधरी ने पहले ही परिस्थितियों को स्पष्ट करते हुए कहा था कि वह जानबूझकर संसद में कोई पालतू जानवर नहीं लाई थीं। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने कुछ ही देर पहले एक स्कूटर और कार की टक्कर देखने के बाद पिल्ले को बचाया था। एएनआई के अनुसार, उन्होंने कहा, "क्या कोई कानून है? मैं रास्ते में थी। एक स्कूटर एक कार से टकरा गया। एक छोटा सा पिल्ला सड़क पर घूम रहा था। मुझे लगा कि उसे टक्कर लग जाएगी। इसलिए मैंने उसे उठाया, कार में रखा, संसद आई और वापस भेज दिया। कार चली गई, और कुत्ता भी। तो इस बहस का क्या मतलब है?" उन्होंने सवाल उठाया कि करुणा का एक क्षण राष्ट्रीय चर्चा का विषय क्यों बन गया, और तर्क दिया कि ज्यादा जरूरी मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है।

उन्होंने आगे कहा, "असली काटने वाले संसद में बैठे हैं। वे सरकार चलाते हैं। हम एक मूक जानवर की देखभाल करते हैं, और यह एक बड़ा मुद्दा और चर्चा का विषय बन गया है। क्या सरकार के पास और कुछ करने को नहीं है? मैंने कुत्ते को घर भेज दिया और कहा कि उसे घर पर ही रखें... हम उन लोगों के बारे में बात नहीं करते जो संसद में बैठकर हमें रोज काटते हैं।"

9 बार के विधायक प्रेम कुमार बने बिहार विधानसभा के नए स्पीकर, विपक्ष का भी मिला समर्थन

बिहार एजेंसीः प्रेम कुमार सर्वसम्मति से बिहार विधानसभा के 18वें अध्यक्ष चुने गए हैं। उन्हें विपक्षी विधायकों का भी समर्थन प्राप्त हुआ। प्रेम कुमार ने कल इस पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। वे इस पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार थे, इसलिए उनका निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा था। विजय कुमार सिन्हा और नंदकिशोर यादव के बाद, प्रेम कुमार भाजपा कोटे से तीसरे अध्यक्ष बने हैं। उनसे पहले, जदयू के दो नेता उदय नारायण चौधरी और विजय कुमार चौधरी अध्यक्ष पद पर कार्यरत थे। प्रेम कुमार के निर्वाचन पर उन्हें बधाई देते हुए, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि मैं पूरे सदन की ओर से प्रेम कुमार जी को बधाई देता हूँ। उनके पास लंबा अनुभव है और वे सदन

के संचालन में पूरा सहयोग करेंगे। मेरा अनुरोध है कि पूरा सदन एक बार खड़ा होकर उन्हें सम्मान दे। हालाँकि, 74 वर्षीय जदयू प्रमुख ने कुछ विपक्षी नेताओं को धीरे से डाँटा, जो बैठे रहे और जब वे अंततः खड़े हुए तो मुस्कुराए। अपने भाषण में, तेजस्वी यादव ने बताया कि अध्यक्ष जी एक ऐसे निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसमें भगवान विष्णु और भगवान बुद्ध से जुड़े तीर्थ स्थल शामिल हैं। राजद नेता ने कहा कि आप अच्छी तरह जानते हैं कि विपक्ष सरकार के लिए एक आईने का काम करता है, जिसे शायद हमेशा अपनी कमियाँ नजर न आएँ। इसलिए हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप सत्ता पक्ष से भी ज्यादा हमें शामिल करेंगे। अध्यक्ष ने सभी सदस्यों का उन पर भरोसा जताने के लिए धन्यवाद किया और कहा कि वे उनके सहयोग की आशा करते हैं। सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करने से पहले, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विधानसभा के सुचारू संचालन के लिए उपाध्यक्ष का चुनाव जरूरी है और कहा कि चुनाव 4 दिसंबर को होगा। बिहार के मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि प्रेम कुमार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। उनका कार्यकाल लंबा रहा है और वे मृदुभाषी हैं। वे अध्यक्ष पद की गरिमा बढ़ाएंगे। बिहार के मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि प्रेम कुमार गया जी की पावन धरती से आते हैं। उन्हें विधानसभा के कार्यों का बहुत बड़ा अनुभव है। मैं पूरे सदन की ओर से उन्हें बधाई देता हूँ।

पीएम ने 19 वर्षीय देवव्रत की वेदमूर्ति क्षमता को सराहा, कहा - गुरु परंपरा का अद्भुत उदाहरण

नई दिल्ली एजेंसीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनी शाखा के 2,000 मंत्रों वाले दंडक्रम पारायण को 50 दिनों में बिना किसी रुकावट के पूरा करने के लिए 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे की सराहना की और इसे एक ऐसी उपलब्धि बताया जिसे आने वाली पीढ़ियाँ याद रखेंगी। उन्होंने कहा कि 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे ने जो किया है उसे आने वाली पीढ़ियाँ याद रखेंगी! भारतीय संस्कृति से जुड़े हर व्यक्ति को उन पर गर्व है कि उन्होंने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनी शाखा के 2,000 मंत्रों वाले दंडक्रम पारायण को बिना किसी रुकावट के 50 दिनों में पूरा किया। नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि इसमें कई वैदिक श्लोक और पवित्र शब्दों का त्रुटिहीन उच्चारण शामिल है। वे हमारी गुरु परंपरा के सर्वोत्तम स्वरूप हैं। काशी के सांसद होने के नाते, मुझे खुशी है कि यह असाधारण उपलब्धि इस पवित्र नगरी में हुई। उनके परिवार, विभिन्न संतों, द्रष्टाओं,

विद्वानों और पूरे भारत के उन संगठनों को मेरा प्रणाम जिन्होंने उनका समर्थन किया। इस बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा के झज्जर स्थित सिद्ध बाबा पालननाथ आश्रम के अपने दौरे के दौरान प्राण प्रतिष्ठा और आत्म भंडारा समारोह में भाग लेते हुए सनातन संस्कृति की स्थायी प्रासंगिकता और मानव विकास पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन संस्कृति है और इसने मानव विकास को आकार दिया है। हमारी पूजा पद्धतियाँ और ज्ञान-साझाकरण की परंपराएँ अलग-अलग हैं। इस परंपरा में नाथ संप्रदाय की प्रमुख भूमिका है। कैलाश के शिव से लेकर रामेश्वरम के शिव मंदिर तक, ये सभी हमें एक साथ जोड़ते हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में 'जनता दर्शन' किया, जहाँ उन्होंने जिले भर से आए लोगों से मुलाकात की, उनके आवेदनों की समीक्षा की और उन्हें समय पर समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित बच्चों से भी बातचीत की।

'गांधी परिवार को फंसाने की कोशिश', खड़गे का हल्ला बोल, नेशनल हेराल्ड मामले में आया नया मोड़

नई दिल्ली एजेंसीः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को 12 साल पुराने नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार के खिलाफ एक नई एफआईआर दर्ज होने के बाद राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी सरकार और ईडी ने नए आरोपों का इस्तेमाल किया है और विरोधियों को निशाना बनाने के लिए चुनिंदा अभियोजन और नए सिरे से आरोप लगाने का सहारा लिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, खड़गे ने लिखा कि 12 साल बाद और अचानक गांधी परिवार पर पुराने मामले में कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाने वाली एक नई एफआईआर। सिर्फ.इसलिए क्योंकि मोदी सरकार और ईडी के पास नए आरोपों का भंडार खत्म हो गया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि जब तथ्य कमजोर पड़ गए, तो नाटकीयता का सहारा लिया गयाः चुनिंदा अभियोजन, बार-बार लगाए गए आरोप, और विरोधियों को कठघरे में खड़ा करने की एक छिपी हुई कोशिश। खड़गे ने विश्वास व्यक्त किया कि न्यायपालिका इस कदम के पीछे छिपे कथित राजनीतिक मकसद को पहचान लेगी। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि न्यायपालिका इस राजनीतिक प्रतिशोध और उत्पीड़न की नासमझ कोशिशों को समझ लेगी! इस बीच, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने या न लेने के फैसले को फिर से स्थगित कर दिया। आरोपपत्र में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नाम शामिल हैं। ईडी ने नेशनल हेराल्ड के मूल प्रकाशक, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया है। अदालत अब 16 दिसंबर को अपना फैसला सुनाएगी। नेशनल हेराल्ड मामला पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर एक शिकायत से उत्पन्न हुआ था

कर्नाटक में सीएम की कुर्सी पर सस्पेंस खत्म? सिद्धारमैया ने कहा- 'जब आलाकमान कहेगा, डीके सीएम बनेंगे'

कर्नाटक एजेंसीः कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ दूसरी नाश्ते की बैठक के बाद, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को दोहराया कि कांग्रेस नेता एकजुट हैं और मिलकर कांग्रेस सरकार चलाएँगे। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच, डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बारे में पूछे जाने पर, सिद्धारमैया ने कहा, "जब आलाकमान कहेगा।" मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इससे पहले उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से उनके आवास पर मुलाकात की थी, जहाँ दोनों के बीच दूसरी नाश्ते की बैठक हुई थी। अपनी पहली मुलाकात में इडली-सांभर और उपमा के बाद, डीके शिवकुमार ने पारंपरिक नाटी चिकन और इडली की गरमागरम प्लेटों के साथ सिद्धारमैया की मेजबानी की। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि कोई मतभेद नहीं हैं। डीके शिवकुमार और मैं एकजुट हैं। हम सरकार चला रहे हैं। भविष्य में भी हम एकजुट होकर सरकार

चलाएंगे। उन्होंने कहा कि आज डीके शिवकुमार ने मुझे नाश्ते पर बुलाया। मैं आने के लिए तैयार हो गया। आज हम दोनों ने नाश्ता किया और डीके सुरेश भी मौजूद थे... नाश्ते के बाद, हमने विधानसभा सत्र पर चर्चा की। तय हुआ कि 8 दिसंबर को सांसदों की एक बैठक बुलाई जाए। हम किसानों के मुद्दों और राज्य के अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हम दोनों आलाकमान, खासकर राहुल, सोनिया, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाए गए कदमों को स्वीकार करेंगे। अगर वे (पार्टी आलाकमान) हमें (दिल्ली) बुलाते हैं, तो हम जरूर जाएँगे। कल मैं केसी वेणुगोपाल से एक समारोह में मिलूँगा जहाँ हम दोनों को आमंत्रित किया गया है। नेतृत्व संघर्ष की अटकलों को कमजोर करते हुए, सिद्धारमैया ने कहा कि वे हमेशा एकजुट रहे हैं। यह एकता आज कोई नई बात नहीं है; हम हमेशा से एकजुट रहे हैं। राहुल गांधी जो भी फैसला लेंगे, हम उसके अनुसार काम करेंगे; यही मैंने कहा है। मुख्यमंत्री ने एमएसपी का मुद्दा उठाया और मक्का और गन्ना किसानों के लिए सरकार के समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मैं उनके (उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार) आवास पर नाश्ते के लिए आया हूँ। डीके शिवकुमार मेरे घर नाश्ते के लिए आए थे

जब मोदी बोलते हैं तो विश्व के नेता ध्यान से सुनते हैंः मोहन भागवत

नई दिल्ली एजेंसीः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोलते हैं, तो विश्व के नेता ध्यान से सुनते हैं और ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत की ताकत सामने आ रही है और देश को उसका उचित स्थान मिल रहा है। आरएसएस की स्थापना के सौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि किसी को जयंती या शताब्दी समारोह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों का जश्न मनाने के बारे में नहीं सोचना चाहिए, बल्कि दिए गए कार्य को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखना चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा, संघ यही करता आया है। संघ ने चुनौतियों का सामना करते हुए और कई तूफानों से जूझते हुए भले ही 100 साल पूरे कर लिए हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि हम आत्मचिंतन करें कि पूरे समाज को एकजुट करने के काम में इतना समय क्यों लगा। उन्होंने कहा कि आमतौर पर माना जाता है कि जब भारत आगे बढ़ता है, तो वैश्विक समस्याएं हल हो जाती हैं, संघर्ष कम हो जाते हैं और शांति कायम होती है। भागवत ने कहा, यह बात इतिहास में दर्ज है और हमें इसे

फिर से साकार करना होगा। यह समय की मांग है। मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां भारत से इसकी मांग करती हैं और इसीलिए संघ के स्वयंसेवक पहले दिन से ही इस मिशन को पूरा करने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के बलिदानों पर प्रकाश डालते हुए भागवत ने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने उन्हें दिए गए मिशन को पूरा करने की अपनी यात्रा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोलते हैं, तो विश्व के नेता ध्यान से सुनते हैं और ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत की ताकत सामने आ रही है और देश को उसका उचित स्थान मिल रहा है।

कई बाधाओं और चुनौतियों के बीच शुरू की थी। उन्होंने संघ के शुरूआती महीनों और वर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं थी कि उनके काम से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। भागवत ने कहा, उन्होंने (संघ के स्वयंसेवकों ने) सफलता के बीज बोए और अपना जीवन समर्पित करके परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। हमें उनका आभारी होना चाहिए। वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद का जिक्र करते हुए संघ प्रमुख ने कहा, प्रधानमंत्री (मोदी) को वैश्विक स्तर पर इतने ध्यान से क्यों सुना जा रहा है? उन्हें इसलिए सुना जा रहा है, क्योंकि भारत की ताकत अब उन जगहों पर प्रकट होने लगी है, जहां उसे उचित रूप से प्रकट होना चाहिए। इसने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। सभा को एक किस्सा सुनाते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि एक बार उनसे कहा गया था कि संघ 30 साल देरी से आया है। भागवत ने कहा, मैंने जवाब दिया कि हम देरी से नहीं आए। बल्कि, आपने हमें देरी से सुनना शुरू किया। उन्होंने कहा कि जब संघ संवाद और सामूहिक कार्य की ताकत की बात करता है, तो इसका तात्पर्य पूरे समाज से होता है। भागवत ने कहा, हमारी नींव विविधता में एकता में निहित है। हमें साथ मिलकर चलना होगा और इसके लिए धर्म आवश्यक है। उन्होंने कहा, भारत में सभी दर्शन एक ही स्रोत से उत्पन्न हुए हैं। चूंकि, सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है, इसलिए हमें सद्भाव के साथ आगे बढ़ना होगा।

संपादकीय

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है।

चिंतन-मनन

गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुद्गल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से स्नेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया, जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोभा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाड़ू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए। गुरु की विनम्रता के आगे उनका अहंकार पिघल गया। उनमें से एक ने आकर गुरु से झाड़ू ले लिया और दूसरा भी उसके साथ सफाई के काम में जुट गया। उस दिन से उनका व्यवहार पूरी तरह बदल गया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मोबाइल फोन पर अब निजता का अधिकार?

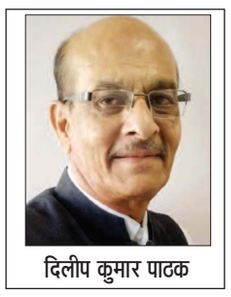

दिलीप कुमार पाठक

तेजी से डिजिटल होती दुनिया में मोबाइल फोन अब केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की निजी जरुरत बन चुका है। इसी वजह से फोन से जुड़ी किसी भी सरकारी नीति को लेकर नागरिकों की चिंता स्वाभाविक है। विशेषकर तब, जब सरकार की दूरसंचार नीति सीधे तौर पर लोगों के व्यक्तिगत डेटा, लोकेशन, गैलरी या संदेशों, उनकी पसंद ना पसंद और निजी संबंधों तक की पहुंच पर प्रश्न खड़ा करती हो। भारतीय संविधान में निजता का अधिकार केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक एवं सभ्य समाज की आत्मा है। निजता को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा माना गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है। नागरिक अपनी व्यक्तिगत जानकारी, गतिविधियों और संचार पर नियंत्रण रखने का अधिकार रखते हैं। जब किसी सरकारी ऐप को अनिवार्य रूप से फोन में इंस्टॉल करने की बात सामने आती है। वह भी बिना हटाने के विकल्प के साथ तो सरकार की यह कार्यवाही सीधे लोगों के निजी अधिकार के साथ-साथ उनकी स्वतंत्रता को भी बाधित करती है। सरकार का यह निर्णय सीधे सवालों के घेरे में आ जाता है। सरकारी ऐप को लेकर अब नागरिकों को लग रहा है, सरकार नागरिकों की पल-पल की जासूसी करके बंधुआ बनाना चाहती है। वहीं दूसरी तरफ सरकार का तर्क है, ये सरकारी ऐप साइबर सुरक्षा को मजबूत करेंगे। चोरी, साईबर फ्रॉड को रोकेने और मोबाइल के सभी संव्यवहार को सुरक्षित बनाएंगे। निःस्संदेह, उद्देश्य महत्वपूर्ण हैं। दरअसल साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। डिजिटल सुरक्षा वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती है। नागरिकों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी भी है। तकनीकी को लागू करने के पूर्व सरकार को उस नागरिकों की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए, नागरिकों को उसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। भारत में तकनीकी को पहले लाया जाता है, उसके बाद सुरक्षा और खतरों को लेकर सरकार सजग होती है। जिसके कारण नागरिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। सुरक्षा का नाम लेकर सरकार द्वारा अनिवार्य निगरानी प्रणाली स्थापित करना कितना उचित है। यह गंभीर बहस एवं चिंता का विषय बन गया है। सुरक्षा और निगरानी, दोनों के बीच की दीवार बेहद पतली है। यदि किसी ऐप को कैमरा, माइक्रोफोन, लोकेशन, गैलरी और एसएमएस तक स्थायी पहुंच सतत मिलती है, तो यह केवल सुरक्षा नहीं, वरन व्यापक नियंत्रण का साधन बन सकता है। लोकतंत्र में राज्य को नागरिकों पर इतनी व्यापक दृष्टि रखने की अनुमति देने से पहले पारदर्शिता, सामाजिक सहमति और मजबूत कानूनी सुरक्षा बहुत आवश्यक है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में नागरिकों के पास स्वयं यह अधिकार होना चाहिए, कि जो व्यक्ति चाहे इस ऐप को इंस्टॉल करे, ना चाहे तो ना करे। यह स्वतंत्रता उसकी निजता का हिस्सा और एक संवैधानिक अधिकार भी है। सरकार की नीतियां नागरिकों के भरोसे का प्रतीक होनी चाहिए, भय अथवा शक का कोई स्थान नहीं होना चाहिये। आधुनिक तकनीक का उद्देश्य जनता को सशक्त बनाना है। नाकि उनकी निजी ज़िंदगी में अनियंत्रित हस्तक्षेप का साधन बने। सुरक्षा के नाम पर निजता का हनन अब सामान्य बात हो गई है। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं भी कमजोर होती चली जा रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है, क्या मोबाइल सुरक्षा के बहाने नागरिक अपनी निजता की अंतिम दीवार को गिरने देंगे? यदि ऐसा हो गया तो परिवार और निजी संबंध जिसमें सामाजिक आर्थिक और अन्य गतिविधियां सरकार के नियंत्रण में होंगी। ऐसी स्थिति में हमारी स्वतंत्रता खतरे में पडना तय है। सरकार जिस तरह से हमारे ऊपर नियम कानून लागू करना चाहेगी जैसे भी रखना चाहेगी उसका हम कभी हम पूरी तरह से सरकार के ऊपर निर्भर होकर रह जाएंगे। लोकतंत्र में नागरिकों की जागरूकता ही वास्तविक नागरिक अधिकार और संवैधानिक अधिकार की शक्ति है। इसे बनाए रखने के लिए सभी को सजग रहने की जरूरत है।

41 साल बाद भी खत्म नहीं हुआ है गैस त्रासदी का असर

योगेश कुमार गोयल

भोपाल गैस त्रासदी से निकलते जहरीले सवाल...

1984 में 2-3 दिसम्बर की रात भोपाल में मौत ने ऐसा तांडव मचाया था, जिसके जख्म आज तक नहीं भरे हैं। भयानक गैस त्रासदी की उस घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 2-3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। हालांकि इसी साल भोपाल के जहरीले कचरे का निपटान किया जा चुका है किन्तु भोपाल गैस कांड को 41 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। भोपाल गैस त्रासदी पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाली थी कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया था जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा था, आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 40 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हुए हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। उस कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ, उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था और यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए। जिन लोगों के फेफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? दुर्घटना के चार दिनों बाद 7 दिसम्बर 1984 को यूसीआईएल अध्यक्ष एवं सीईओ वारेन एंडर्सन की गिरफ्तारी हुई थी किन्तु विड़म्बना देखिये कि इतने भयानक हादसे के मुख्य आरोपी को गिरफ्तारी के महज छह घंटे बाद मात्र 2100 डॉलर के मामूली जुमार्ने पर रिहा कर दिया गया था। उसके बाद वह अवसर का लाभ उठाते हुए भारत छोड़कर अपने देश अमेरिका भाग गया, जिसे भारत लाकर सजा देने की मांग निरन्तर उठती रही लेकिन भारत सरकार अमेरिका से उसका प्रत्यर्पण कराने में विफल रही। 29 सितम्बर 2014 को वारेन एंडर्सन की मौत हो गई। इस हादसे से पर्यावरण को ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का रूख इस पूरे मामले में संवेदनहीन ही रहा। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को भले ही जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यही है कि इस गैस त्रासदी के 41 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष- दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्योरिटी एंड नैशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए।

सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरूआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है।

इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मर्यादाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है।

देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है।

सदन की मयार्दा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मयार्दा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विजय होगी।

अमरोहा पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान संचालित

अमरोहा (सब का सपना):- यातायात पुलिस प्रभारी, यातायात पुलिस टीम तथा नगर पालिका टीम द्वारा संयुक्त रूप से एक व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। शहर में बढ़ते ट्रैफि क दबाव और सड़क किनारों पर हो रहे अवैध अतिक्रमण की शिकायतों को देखते हुए यह अभियान संचालित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना तथा आम जनता को निर्बाध आवागमन की सुविधा प्रदान करना रहा। अभियान की शुरूआत टीपी नगर चौराहा से बिजनौर रोड चुना भट्टी तक की मुख्य सड़क पर की गई। यह मार्ग अत्यधिक व्यावसायिक एवं यातायात की दृष्टि से संवेदनशील है, जहाँ प्रतिदिन भारी भीड़-भाड़ रहती है। सड़क किनारे लगने वाले ठेले, दुकानों का फैलाव, अवैध निर्माण एवं अवरोधों को हटवाकर फुटपाथों को पुनः खाली कराया गया। इसके उपरांत शाहविलयत चौराहा से धनोरा रोड तक भी अभियान चलाया गया। इस बाजार क्षेत्र में पैदल निरीक्षण करते हुए सड़क पर कब्जा जमाए दुकानदारों, अवैध ठेलों, दुकान के आगे बढ़ाए गए शेड/प्लेटफॉर्म को हटवाया गया। अभियान के दौरान नो पार्किंग क्षेत्रों का विशेष निरीक्षण किया गया।

नियम विरुद्ध खड़े किए गए दोपहिया और चारपहिया वाहनों के विरुद्ध एम.वी. एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई तथा कई वाहनों के चालान किए गए। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क किनारे अनियमित पार्किंग जाम का मुख्य कारण बनती है, इसलिए ऐसे वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। शहर को जाममुक्त और व्यवस्थित बनाने के लिए यह अभियान आगे भी सतत रूप से जारी रहेगा। आम नागरिकों से अपील की गई कि वे सड़क, फुटपाथ व सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें और प्रशासन का सहयोग करें।

स्थानीय नागरिकों ने इस अभियान की सराहना की और बताया कि अतिक्रमण हटने से सड़कें खुली व सुगम हो गई हैं। दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि भविष्य में पुनः अतिक्रमण पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला खेल कार्यालय में पैरा एथलेटिक्स एसोसिएशन का गठन का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला खेल कार्यालय अमरोहा में आज एक बैठक आहूत की गई। इस बैठक में जिला अमरोहा की पैरा एथलेटिक्स एसोसिएशन का गठन किया गया जिसमें सरदार जगजीत सिंह जी को अध्यक्ष तथा रणदीप सिंह को सर्वसम्मति से सचिव चुना गया। बैठक में उपस्थित जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकांत त्यागी ने कहा "अमरोहा खेलो का गढ़ है और यहां पर सभी खेलो के अच्छे खिलाड़ी है एथलेटिक्स में अमरोहा के कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी है मुझे यकीन है कि इस एसोसिएशन का गठन होने के बाद पैरा एथलेटिक्स में अमरोहा और भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे" अध्यक्ष सरदार जगजीत सिंह ने कहा कि वह पूरा प्रयास करेंगे कि अमरोहा जनपद के ऐसे सभी बच्चे हमारे लिए विशिष्ट है और हम इन सभी का विशिष्ट खिलाड़ियों की तरह ही ध्यान रखेंगे और उन्हें आगे लेकर आयेंगे बैठक में उपस्थित पुरुजीत सिंह एवं संजीव चौहान ने अपने विचार रखे और कहा कि" सरकार इस समय खेलो पर बहुत ध्यान दे रही है और पैरा खेलो पर सरकार हर तरह से विशेष दर्जा दे रही है हम भी अपनी तरफ से पूरा प्रयास करेंगे और स्कूलों तथा कॉलेज में खिलाड़ियों की तलाश करेंगे। इसी के साथ क्रीड़ा भारती जिला अध्यक्ष पुरुजित सिंह ने पैरा खेलों में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खिलाड़ियों को पूरे जोर शोर से प्रतिभाग करते हुए अपने देश और परिवार को गौरवान्वित महसूस करना चाहिए। बैठक में उपस्थित अश्वनी कुमार, मुनेंद्र सिंह तथा प्रदीप चौहान व देवेंद्र सिंह तथा खेलो में दिव्याँग खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के बारे में जानकारी दी। सचिव रणदीप सिंह एवं मीडिया प्रभारी संजीव चौहान ने बताया कि 3 दिसंबर (विश्व दिव्यांग दिवस) को एक विशेष खेल कार्यक्रम एवं पैरा एथलेटिक्स की पहली जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसकी पूरी रूपरेखा जल्द बता दी जाएगी।

केक काटकर हर्ष और उत्साह के साथ मनाया जुबिलेंट का 43 वां स्थापना दिवस

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट का 43 वां स्थापना दिवस केक काटकर मनाया गया। कंपनी के शीर्ष अधिकारियों ने जुबिलेंट को सफलता की बुलंदियों तक ले जाने के लिए टीम की प्रशंसा की। विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही कंपनी में 10,15 ,20,25, 30 एवं 35 वर्ष से सेवाएं दे रहे 120 कार्मिकों को परिजनों समेत सम्मानित भी किया गया। मंगलवार को जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित जुबिलेंट डे का शुभारंभ कारपोरेट आफिस से आए प्रबंधक निदेशक दीपक जैन, सीओओ विजय श्रीवास्तव, जैकपॉल के सीईओ जगत शर्मा, एचआर हेड विनीता कॉल, अमरीश दीक्षित, अमित जोशी, जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा, जैकपॉल के यूनिट हेड देवेंद्र बंसल एवं निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित आदि ने दीप प्रज्जवलित करके किया। सीईओ दीपक जैन एवं सीओओ विजय श्रीवास्तव ने कहा कि गजरौला यूनिट जुबिलेंट का मदर प्लांट है जो कि कुशल प्रबंधन के चलते शीर्ष स्थान बनाए हुए है। उन्होंने इसके लिए टीम वर्क की प्रशंसा की। जुबिलेंट के साइट हेड विनोद झा एवं जैकपॉल के साइट हेड देवेंद्र बंसल ने कंपनी की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कारपोरेट आफिस से आए शीर्ष अधिकारियों की मौजूदगी में विशाल केक भी काटा गया।

संचालन ऋषिपाल सिंह परमार एवं पुनीत तिवारी ने किया। इस मौके पर प्रतीक माहेश्वरी, प्रताप महापात्रा, नवीन गुप्ता, सुनील ए सिंह, वीरेंद्र सिंह नेगी, दिलीप पांडेय, अनुपम सिंह, आशु वर्मा, कपिल जोशी, सुनील तिवारी, अजय गुप्ता, एनके तोमर, प्रमोद शर्मा आदि मौजूद रहे।

घरेलू कलह के चलते विवाहिता ने लगाई फांसी,मौत

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना क्षेत्र में घरेलू विवाद के चलते एक 24 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आनन-फानन में परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई। बता दें कि यह घटना मंगलवार की दोपहर की है। जहां थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव शाहपुर में 24 वर्षीय प्रियांशी अग्रवाल ने घरेलू कलह के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी अनुसार बताया जा रहा है कि प्रियांशी की शादी 6 साल पहले शुभम अग्रवाल के साथ हुई थी, उनके चार साल के दो जुड़वा बेटे विकास और वैभव है। शुभम एक निजी फैक्ट्री में कार्यरत है। मंगलवार की सुबह शुभम अपनी ड्यूटी पर गया हुआ था, घर पर प्रियांशी अपनी सास के साथ थी, दोपहर के समय जब सास ने प्रियांशी को कमरे में नहीं देखा और तलाश की तो वह अंदर कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुई थी, यह देखकर सास की चीज निकल गई, जिसके बाद परिवार के अन्य सदस्य और पड़ोसी मौके पर जमा हो गए परिजनों ने आनन फानन में प्रियांशी को फंदे से नीचे उतारा और सरकारी अस्पताल में लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ का जमावड़ा लग गया उधर सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया ।

वहीं सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग भी वहां पहुंच गए दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद आपसी सहमति से समझौता हो गया।थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने बताया है कि किसी भी परिजन की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है जिसके चलते आगे कोई कानूनी कार्यवाही नहीं की जा रही है।

रैली को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं की बैठक लेकर बनाई रणनीति

अमरोहा (सब का सपना):- कैलसा स्थित मोती स्मृति कॉलेज में 14 दिसंबर को होने वाली सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की प्रस्तावित जनसभा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सुभासपा कार्यकताओं ने जनसभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए जनसंपर्क और संगठनात्मक गतिविधियों में पूरी ताकत झोंक दी है।इसी क्रम में जिला अध्यक्ष सत्यपाल तोमर और मुरादाबाद जिला अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि रवि चौधरी ने कैलसा रोड स्थित पार्टी कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठक की। बैठक में जनसभा की रूपरेखा, भीड़ प्रबंधन व बूथ–स्तर तक संपर्क अभियान को धार देने पर विशेष चर्चा हुई। इस दौरान जिला अध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि मोती स्मृति कॉलेज में 14 दिसंबर की यह जनसभा केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं बल्कि प्रदेश की राजनीति में नई ऊर्जा भरने वाला ऐतिहासिक क्षण बनने जा रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि रिकॉर्ड तोड़ भीड़ जनसभा में पहुंचेगी। मुरादाबाद जिला अध्यक्ष एवं मंत्री प्रतिनिधि रवि चौधरी ने कहा कि लोगों में ओमप्रकाश राजभर की जनसभा को लेकर असाधारण उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि गांवों में मिल रहा समर्थन साफ संकेत देता है कि कार्यक्रम में जनता का सैलाब उमड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सुभासपा लगातार गरीब, कमजोर वंचित और पिछड़े, दलित अल्पसंख्यक समाज की आवाज रही है और यह जनसभा सामाजिक न्याय की लड़ाई को और मजबूती प्रदान करेगी। बैठक में मुख्य रूप से यूनुस सैफी प्रधान मंडल सचिव, अतिकुर रहमान मंडल महासचिव, चमन हैदर प्रदेश सचिव, आदेश अमरोही कोषाध्यक्ष जसवीर सिंह चौहान जिला उपाध्यक्ष, विनीत चौहान,मोहम्मद शफी जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह प्रधान जिला उपाध्यक्ष सुमित चौधरी जिला महासचिव, जगत सिंह गुर्जर जिला महासचिव, रामगोपाल जाटव जिला सचिव, मोहम्मद शराफत नगर अध्यक्ष नौगावा, शाहबुद्दीन सभासद नौगावा, शेर अली उस्मान मोहित कुमार, विक्रम सिंह, रघुवीर सिंह, आदि मौजूद रहे।

ए.के.के. इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा संचालित जिला विज्ञान क्लब द्वारा जिलाधिकारी अमरोहा के निर्देशन में एक जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के 58 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने 118 मॉडल प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में विज्ञान को प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि डॉ0 हरि सिंह ढिल्लों म शिक्षक विधायक बरेली मुरादाबाद स्नातक खंड, तथा विशिष्ट अतिथि डॉ0 प्रवेश कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक जनपद अमरोहा ने चयनित छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया । प्रथम चयनित को ड्र5000 द्वितीय चयनित को 3000 तृतीय चयनित को 2000 तथा ड्र1000 के दो सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रथम चयनित = लविश कुमार राणा सिंह मेमोरियल सिख इंटर कॉलेज अमरोहा, द्वितीय चयनित = साजन (राजन) गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज धनोरा, तृतीय चयनित = आदिति सिंह ए0 एस0 एम0 एकेडमी अमरोहा, सांत्वना पुरस्कार= कु0 वाशुदेव राणा सिंह मेमोरियल सिख इंटर कॉलेज अमरोहा, सांत्वना पुरस्कार = कु0 वनशिका, राणा सिंह मेमोरियल सिख इंटर कॉलेज अमरोहा इसके अतिरिक्त 10 प्रतिभागी अलिश पनेरु, हिंशान्त चौधरी, सुशांत कुमार, मोहम्मद अलसैफ, कु0 उरूज, मोहम्मद हुमाम, हनु दिवाकर, एजाज उल हक, राज बहादुर, और नौवय वर्मा मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किए गए। मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लों ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक जागरूकता उत्पन्न होती है । सभी छात्राओं को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते रहना चाहिए, यदि जीवन में सफल होना है तो विज्ञान का सदुपयोग करना चाहिए। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार ने कहा कि छात्र-छात्राओं में विज्ञान की उत्सुकता से ही वैज्ञानिक विचार उत्पन्न होते है,जिससे आगे चलकर यही छात्र वैज्ञानिक बनते हैं । प्रधानाचार्य आदिल अब्बासी ने कहा कि हमें अपनी सोच वैज्ञानिक रखनी चाहिए तभी हम अपने जीवन में सफल हो सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रीति चौधरी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानाचार्य डा0 जी0 पी0 सिंह, स्नेह लता, प्रतिभा यादव, सी0 पी0 सिंह,चारु शर्मा, सतपाल सिंह, कोषाध्यक्ष हुसैन मोहम्मद, सह समन्वयक राकेश कुमार, ममता यादव, फकीर गजाली, अरशद फारुकी, शाहजेब खान, आदि उपस्थित रहे।

विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक शाने हैदर ने अंत में सभी का आभार प्रकट किया और बताया कि जनपद से चयनित 15 छात्र छात्राएं दिसंबर माह के अंत में मुरादाबाद में होने वाली मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभा करेंगे।

उ. प्र. प्राथमिक शिक्षक संघ ने किया शोक सभा का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक गंगेश्वरी के बैनर तले एक शोक सभा का आयोजन मौहल्ला मनापुर टीचर्स कालोनी में ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह के प्रतिष्ठान पर किया गया। शोकसभा में प्राथमिक शिक्षक संघ अमरोहा के जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त किया गया और ब्लॉक हसनपुर के प्राथमिक विद्यालय फय्याजनगर में कार्यरत प्रधानाध्यापक अरविन्द कुमार के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख प्रकट किया गया। दोनों मृतकों की आत्मा की शांति हेतु शोकसभा का आयोजन कर दो मिनट का मौन धारण किया। इस दौरान पर प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, संयुक्त मंत्री महताबउद्दीन,संजय सिंह ,विनोद कुमार गौतम, जयवीर सिंह, कमल सिंह, संजीव कुमार, करणवीर सिंह, संदीप कुमार, जसवंत सिंह, सुरेश सिंह, राजाराम आदि मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने हसनपुर सर्किल के सभी विवेचकों को कार्यों के सम्बन्ध में समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा थाना हसनपुर परिसर में हसनपुर सर्किल के सभी थानों हसनपुर, सैदनगली, आदमपुर व रहरा के विवेचकों का अर्दली रुम किया गया । अर्दली रुम के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त विवेचकों से लम्बित विवेचनाओं के संबंध में विस्तृत रुप से समीक्षा वार्ता करते हुये विवेचना लम्बित रखने का कारण पूछा गया एवं अकारण विवेचनाओं को लम्बित रखने वाले विवेचकों को सख्त हिदायत देते हुए विवेचनाओं का समय से निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही जनशिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये । पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराधियों पर शिकंजा कसने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही हिस्ट्रीशीटर/वांछित/गैंगस्टर अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया । मिशन शक्ति केन्द्र के कार्यों की समीक्षा करते हुये महिला अपराध संबंधी शिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये । इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण पर जोर देते हुए वांछित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण, भूमि संबंधी विवादों का समाधान/थाना दिवस पर राजस्व विभाग के सहयोग से निस्तारित कराने, चोरी, लूट, व अन्य अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं अवैध शस्त्र रखने वालों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए ।

पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देश पर जनपद में लम्बित विवेचना के निस्तारण सम्बन्धी अभियान चल रहा है, जिसमें पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं समीक्षा एवं अर्दली रूम की कार्यवाही की जा रही है ।

प्रशिक्षण संस्थान ने शुरू किए तीन निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण बैच,सैकड़ों युवा युवती ले रहे प्रशिक्षण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (CBRSETI), संभल के बहजोई केंद्र में वर्तमान में तीन बैचों के माध्यम से कुल 103 प्रशिक्षुओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन बैचों में सहायक बुककीपर (अकाउंट्स असिस्टेंट), ब्यूटी प्रैक्टिशनर और उद्यमिता विकास के कोर्स संचालित हो रहे हैं। संस्थान के निदेशक विनीत तिवारी ने बताया कि सभी प्रशिक्षण पूर्ण रूप से निःशुल्क हैं और इनमें प्रशिक्षण सामग्री, यूनिफॉर्म, टूलकिट और परीक्षा शुल्क भी शामिल है। ब्यूटी प्रैक्टिशनर (ब्यूटी पार्लर) का कोर्स मात्र 35 दिन में तथा सहायक बुककीपर (कंप्यूटर आधारित अकाउंटिंग) का कोर्स 38 दिन में पूरा हो जाता है। प्रशिक्षण पूरा होने पर प्रशिक्षुओं को मान्यता प्राप्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है, जिससे वे स्वरोजगार शुरू कर सकें या नौकरी प्राप्त कर सकें। ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों व युवाओं में इन कोर्सेज के प्रति खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। अभी तक सैकड़ों प्रशिक्षु इन कोर्सेज से प्रशिक्षित होकर अपना रोजगार शुरू कर चुके हैं या विभिन्न संस्थानों में सेवारत हैं। आगामी बैचों में प्रवेश के लिए इच्छुक युवा संस्थान कार्यालय बहजोई में संपर्क कर सकते हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण मिशन के अन्तर्गत कन्वर्जेन्स एक्शन प्लान की जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने सभी सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर को निर्देश देते हुए कहा कि सभी बच्चों का वजन और ऊंचाई का सही मापन हो। इसके लिए सभी आंगनवाड़ी कार्यकत्री और सुपरवाइजर की ट्रेनिंग कराने के भी निर्देश दिए। निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री किसी भी बच्चे की गलत स्थिति न चढ़ाएं यदि वह कुपोषित है तो उसे उसकी फीडिंग सही प्रकार करें। और उन्होंने निर्देश दिए कि जिस सेंटर पर अधिक कुपोषित बच्चे या नाटापन वाले अधिक बच्चे पाया जाना वहां विजिट कर उचित कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने सभी ग्रामों में आंगनवाड़ी केंद्रों पर वजन और ऊंचाई मापने सहित अन्य सभी आवश्यक उपकरण 10 दिन के अंदर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर आईसीडीएस के अंतर्गत चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा किया। निर्देश दिए कि जो बच्चे कमजोर हैं कुपोषित हैं उनको चिन्हित कर एनसरसी में भर्ती कराया जाए। कहा कि आईसीडीएस द्वारा गर्भवती व धात्री महिलाओ को दिया जाने वाला पूरक पोषाहार का वितरण समय से हो। सैम और मैम बच्चों को चिन्हित कर ज्यादा से ज्यादा बच्चों को चिन्हित कर सुधार किया जाए। आंगनबाड़ी सहायिका घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को चिन्हित करें और एनआरसी में अधिक से अधिक बच्चों को भर्ती कराएं। आधारभूत संरचना के तहत केंद्रों पर चल रहे पेयजल, बाला पेंटिंग, पोषण वाटिका, रंगाई पुताई और रैन वाटर हार्वेस्टिंग, आंगनवाड़ी केन्द्र के निर्माण, लर्निंग लैब के कार्यों को शीघ्रता के साथ गुणवत्तापरक तरीके से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। बैठक में उन्होंने सभी सुपरवाइजर से वजन और लम्बाई संबंधी चार्ट पढ़वाकर देखा और उसके माध्यम से सैम और मैम बच्चों को कैसे चिन्हित किया जाता है उसकी जानकारी ली।

उन्होंने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत अधिक से अधिक पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पीडीडीआरडीए, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पंचायज राज अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी सीडीपीओ और सुपरवाइजर मौजूद रहे।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने अस्थाई गौशाला का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं से जताई संतुष्टि

धनारी/संभल(सब का सपना):- मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह एवं नोडल अधिकारी डॉ. मनोज कुमार शर्मा ने धनारी पट्टी बालू शंकर स्थित अस्थाई गौ आश्रय स्थल (गौशाला) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला की समग्र व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। निरीक्षण में गौशाला परिसर में प्रचुर मात्रा में हरा चारा एवं पर्याप्त भूसा उपलब्ध पाया गया। अधिकारियों ने गोवंश के पोषण स्तर को और बेहतर बनाने के लिए खली एवं चोकर की मात्रा बढ़ाने के निर्देश दिए। सर्दियों के मौसम को देखते हुए सभी शेडों में जूट की पर्दियां लगाई गई हैं, जिससे गोवंश को ठंड से पूर्ण सुरक्षा मिल रही है। सफाई-स्वच्छता की स्थिति अत्यंत अच्छी पाई गई। पशुओं के लिए लगे सभी नाद साफ एवं ताजे पानी से भरे हुए थे। गौशाला के निकट उपलब्ध संबंधित भूमि पर जई की फसल उगाई जा रही है,
जिसे काटकर ताजा हरे चारे के रूप में गोवंश को खिलाया जा रहा है। इससे पशुओं को पौष्टिक आहार लगातार मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कृत्रिम गभार्धान कार्यक्रम के तहत जन्मी संतति (बछड़ों) को अपने हाथों से दाना खिलाया और कार्यक्रम की प्रगति की सराहना की। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह ने कहा कि जिले में गोवंश संरक्षण एवं देखभाल के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। गौशालाओं में चारे-पानी, सफाई और सर्दी से बचाव की व्यवस्थाएं पूरी तरह सुनिश्चित की जा रही हैं।

चामुंडा देवी मंदिर में पहली बार भव्य गीता जयंती महोत्सव, का आयोजन

150 कल्कि भक्तों ने लिया रोज गीता पाठ का संकल्प

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के हल्लू सराय स्थित प्राचीन चामुंडा देवी मंदिर में पहली बार विश्व हिंदू परिषद सम्भल एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में गीता जयंती का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर प्रांगण में सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में हुए इस कार्यक्रम में कर्मयोग, धर्म-रक्षा और राष्ट्रीय एकता का संदेश गूंजा।मुख्य वक्ता भारतीय चरित्र निर्माण संस्था के राष्ट्रीय महासचिव कृष्णानंद झा स्वामी जी ने सभी भक्तों को महामंत्र प्रदान किया और भगवद्गीता के कर्मयोग सिद्धांत से प्रेरणा लेते हुए कहा, भगवान प्रत्येक जीव के हृदय में विराजमान हैं और कर्म के अनुसार फल देते हैं। धर्म का अर्थ है न्याय की स्थापना, समाज में शांति, मानव अधिकारों की रक्षा और अधर्म का उन्मूलन। स्वामी जी ने आगे कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब धर्म पर संकट आया, भगवान ने अवतार लेकर उसकी रक्षा की। आने वाले समय में कल्कि अवतार भी इसी उद्देश्य से अवतरित होंगे। उन्होंने समाज को पवित्र बनाने के लिए पहले स्वयं की बुराइयों पर विजय प्राप्त करने और एकता-अखंडता-बंधुत्व की भावना से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पतंजलि योगपीठ के प्रदेश संगठन मंत्री कुलदीप ऐरन ने की, जबकि संचालन विश्व हिंदू परिषद सम्भल के जिलाध्यक्ष अनंत अग्रवाल ने किया। आयोजन में हिंदू जागृति मंच के संस्थापक इंजी. अमित पवार, चामुंडा मंदिर के महंत एवं विहिप धर्म प्रसार प्रमुख मुरली जी महाराज का विशेष सानिध्य रहा। विशेष आकर्षण रहा कि लगभग 150 कल्कि भक्तों ने गीता संदेश को आत्मसात करते हुए प्रतिदिन गीता अध्ययन का संकल्प लिया। उपस्थित भक्तों के प्रकृति, परमात्मा, आत्मा एवं मोक्ष संबंधी गूढ़ प्रश्नों के उत्तर स्वामी जी ने गीता श्लोकों के माध्यम से दिए। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, हिंदू जागृति मंच, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट, कल्कि निष्कलंक दल, इतिहास संकलन समिति, मातृ शक्ति, महिला शक्ति संगठन, माली सभा सहित अनेक संगठनों के सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित रहे। अंत में सीमा आर्या द्वारा 57 भगवद्गीता का वितरण किया गया तथा सामूहिक गीता आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। संयोजक अमित पवार ने सभी अतिथियों, संतों एवं भक्तों का आभार व्यक्त कर गीता जयंती की शुभकामनाएं दी।

जिले में SIR अभियान ने पकड़ी रफ्तार, 83% से अधिक फॉर्म डिजिटाइज

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में रक्फ़अभियान को तेज गति प्रदान की जा रही है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि जिला प्रशासन पूरे मनोयोग से इस कार्य को संपन्न कराने में जुटा हुआ है। अब तक जिले में 83 प्रतिशत से अधिक फॉर्म डिजिटाइजेशन पूरा हो चुका है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि BLO इस अभियान की रीढ़ हैं। उनके मानसिक तनाव को कम करने और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन लगातार BLO के संपर्क में है। BLO को अकेले काम का बोझ न उठाना पड़े, इसके लिए व्यापक सहयोग व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर प्राथमिक व उच्च शिक्षा के अध्यापकों, पंचायत सहायकों, नगर पालिका कर्मियों, तहसील कर्मचारियों, पंचायत सचिवों, ग्राम विकास अधिकारियों (VDO) तथा रोजगार सेवकों की ड्यूटी लगाई गई है। ये सभी कर्मचारी BLO के साथ मिलकर फॉर्म संग्रहण, सत्यापन तथा डिजिटल अपलोडिंग का कार्य कर रहे हैं। इससे न केवल कार्य की गति बढ़ी है, बल्कि गुणवत्ता भी बनी हुई है ।जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 11 दिसंबर तक शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का लक्ष्य हासिल किया जाए।

पुलिस अधीक्षक जीर्णोद्धार पुलिस चौकी ब्रजघाट का फीता काटकर किया भव्य उद्घाटन

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक ने कार्यालय चौकी बृजघाट का औपचारिक शुभारंभ करते हुए कहा कि ब्रजघाट क्षेत्र धार्मिक व पर्यटन दृष्टि से महत्वपूर्ण है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं यात्री आते हैं। ऐसी स्थिति में क्षेत्र में त्वरित पुलिस उपलब्धता, सुरक्षा प्रबंधन एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु यह नई चौकी अत्यंत आवश्यक थी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जीर्णोद्धार की गयी नवनिर्मित चौकी से क्षेत्र में गश्त, निगरानी और आपातकालीन सेवाओं में और अधिक तेजी आएगी। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया, क्षेत्राधिकारी धनौरा, प्रभारी निरीक्षक गजरौला सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने चौकी परिसर का निरीक्षण किया तथा उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली। अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा ने कहा कि ब्रजघाट चौकी क्षेत्र में सुरक्षा का नया आयाम स्थापित करेगी तथा अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और आम जनता की समस्याओं के निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।
कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित पुलिसकर्मियों को संवेदनशीलता, तत्परता, सतर्कता एवं जनता के प्रति सम्मानजनक व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए। स्थानीय नागरिकों ने भी पुलिस चौकी के शुभारंभ का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी एवं जनहितकारी पहल बताया।

मंडी धनौरा में पंचायत सचिवों का प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत सचिवों ने एफआरएस ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली और गैर विभागीय कार्यों के बढ़ते बोझ के खिलाफ मंगलवार को प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन जारी रखा। ब्लॉक कार्यालय के सामने उन्होंने बाजू पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक विरोध दर्ज कराया। बता दें कि मंगलवार की दोपहर को मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में विरोध प्रदर्शनरत पंचायत सचिवों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बाजू पर काली पट्टी बांधकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष राजीव गिल ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेशव्यापी आंदोलन का पहला चरण 1 से 4 दिसंबर तक चलेगा ,इस अवधि में सभी ग्राम सचिव बाजू पर काली पट्टी बांधकर सरकारी कामकाज करेंगे यह प्रतीकात्मक विरोध सरकार को उनकी मांगों से अवगत कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है ।आंदोलन के अगले चरणों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 5 दिसंबर को सभी सचिव धरना प्रदर्शन करेंगे और सामूहिक रूप से सभी सरकारी व्हाट्सएप समूह से बाहर हो जाएंगे ।इसके बाद 10 दिसंबर से सभी सचिव अपने निजी वाहनों का उपयोग पूरी तरह से बंद कर देंगे।

आंदोलन के अंतिम चरण में 15 दिसंबर को सभी ग्राम सचिव अपने डोंगल ब्लॉक कार्यालय में जमा कर देंगे। इस आंदोलन को विकासखंड धनौरा के सभी ग्राम पंचायत और ग्राम विकास अधिकारियों का समर्थन प्राप्त है ।इस मौके पर
राजीव गिल, राजकुमार सैनी, सुमित कुमार ,मोहम्मद नासिम, महेश कुमार, बंटी सिंह ,संदीप सिंह, रोहित कुमार, अशोक यादव, राजकुमार ,आंचल और रजत यादव सहित कई अन्य सचिव मौजूद रहे।

संभल में बड़े मीट कारोबारियों के मैनेजर के घर आयकर छापा, कारखाने में चार दिन तक हुई थी जांच, पुलिस तैनात

सम्भल: सरायतरीन निवासी मीट कारोबारी हाजी इमरान और इरफान के मैनेजर के घर चमन सराय में आयकर विभाग की टीम पहुंची है। मीट कारोबारी इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी के नाम से कारोबार करते हैं। मैनेजर के घर पहले भी आयकर की टीम छानबीन कर चुकी है। कई बेनामी संपत्ति और लग्जरी कारों के दस्तावेज मिलने की चर्चा रही थी। बता दें कि इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी का कारोबार करीब 1000 करोड़ रुपये से अधिक का बताया जाता है। 14 अक्तूबर को भी आयकर की टीम ने मीट कारोबारियों के कई ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इसमें मैनेजर का घर भी शामिल था। चार दिन तक चली कार्रवाई के दौरान करीब 400 करोड़ रुपये की कर चोरी के संकेत मिले थे। मीट कारोबारियों के ठिकानों पर हुई कार्रवाई जिले की सबसे बड़ी कार्रवाई में शामिल है।
आयकर की टीमों को आयकर चोरी के पुख्ता प्रमाण मिलने की चर्चा हुई थी लेकिन आगे की कार्रवाई पर विराम लग गया था। अब मैनेजर के घर टीम फिर पहुंची है। छानबीन की जा रही है। सुरक्षा के लिए पुलिस को तैनात किया गया है। टीम लखनऊ से आने की चर्चा बनी हुई है।

डीएम की अध्यक्षता में जिला बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा विभाग की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा पीएम सूर्य घर योजना के तहत जनपद अमरोहा के समस्त अध्यापकों को पीएम सूर्य घर योजना का लाभ उठाने हेतु निर्देशित किया गया। परिषदीय विद्यालयों में खेल सामग्री का सत्यापन एसएमसी के माध्यम से किया जाएगा, पीएम पोषण योजना के के तहत तिथि भोजन में जनपद अमरोहा प्रदेश में नवंबर माह में प्रथम स्थान पर है जिसमें जिलाधिकारी द्वारा विभाग की सराहना की गई। उन्होंने जनपद के समस्त विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित करने, TLM ग्रांट का शत प्रतिशत उपभोग किया जाए, छात्र-छात्राओं की डिजिटल अटेंडेंस 100% की जाए, छात्र-छात्राओं की ड्रेस स्वेटर जूते क्रय कर लिए जाये जिससे बच्चे पूर्ण ड्रेस में आए, स्मार्ट क्लास का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, सभी स्कूलों में मिड डे मील का सत्यापन विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों के द्वारा कराया जाए विद्यालयों में मीनू के अनुसार भोजन बनाया जाए व वितरण किया जाए, यू डायस पोर्टल पर समस्त विद्यालय द्वारा स्टूडेंट माड्यूल के अंतर्गत समस्त छात्र-छात्राओं की GP, EP, FP अपार आईडी एवं टइव (अनिवार्य आधार अपडेट)का कार्य शत- प्रतिशत पूर्ण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने स्कूल में फर्नीचर और ठंड में हीटर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा विद्यालय में खिड़की, दरवाजे, पंख, बिजली कनेक्शन सौंदर्यकरण, इको क्लब आदि की उचित व्यवस्था होनी चाहिए इसके लिए एक महीने के अंतर्गत उक्त कार्य को अवश्य पूर्ण कर लिया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए की संयुक्त रूप से मिलकर विद्यालय में पोषण वाटिका का निर्माण अवश्य कर ले। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के अंतर्गत अनावर्तक मत की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि कस्तूरबा गांधी विद्यालय में मसाले सब्जी आदि की खरीद स्वयं सहायता समूह से की जाए।

निशुल्क पाठ पुस्तक में प्राप्त धनराशि का शत प्रतिशत उपभोग कर लिया गया है इसकी जानकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने दी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका, जिला कार्यक्रम अधिकारी, वित्त एवं लेखा अधिकारी, समस्त जिला समन्वयक व लेखाकार तथा बेसिक विभाग से सभी सम्मानित संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) /उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित करते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के अनुसार आलेख्य प्रकाशन हेतु तैयार कर ली गयी है और 02 दिसंबर को जिला निर्वाचन कार्यालय, अमरोहा में, तहसील कार्यालयों पर और मतदान स्थलों (कार्यालय क्षेत्र पंचायत अमरोहा / कार्यालय नगर पंचायत नौगांवा सादात / कार्यालय क्षेत्र पंचायत जोया / कार्यालय क्षेत्र पंचायत हसनपुर / कार्यालय क्षेत्र पंचायत गंगेश्वरी / कार्यालय क्षेत्र पंचायत धनौरा / कार्यालय क्षेत्र पंचायत गजरौला) पर यथाविधि आलेख्य प्रकाशित कर दी गयी है। उपरोक्त स्थानों पर निर्वाचक नामावलियां जनसाधारण के निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगी। निर्वाचक नामावली के तैयार किए जाने की अर्हक तारीख 01 नवम्बर है। यदि नामावली में किसी नाम के सम्मिलित किये जाने के लिये कोई आक्षेप किया जाता है या किसी प्रविष्टि की विशिष्टियों की बाबत कोई आक्षेप हो तो वह दिनांक 16 दिसंबर को या उससे पूर्व नियत प्ररूप-19, 7 या 8 में से, जो समुचित हो, उस प्ररूप में दाखिल किए जा सकते हैं।

दूल्हा-दुल्हन की गाड़ी में फॉर्च्यूनर मालिक ने मारी कई बार टक्कर, अर्धनग्न होकर हाईवे पर किया हंगामा

बहादुरगढ़ : हरियाणा के बहादुरगढ़ में आधी रात को नेशनल हाईवे पर अर्धनग्न होकर हंगामा करने की वीडियो वायरल हो रही है। हंगामा करने वाला फॉर्च्यूनर का करोड़पति मालिक बताया जा रहा है। इस मामले में सदर थाने में केस दर्ज हुआ है। यह केस मंहगी फोर्ड मस्टैंग कार के मालिक की ओर से दर्ज कराया गया है। इसमें आरोप है कि फॉर्च्यूनर चालक ने उनकी गाड़ी को सामने से बार-बार टक्कर मारी। कार में दूल्हा-दुल्हन सवार थे और हिसार जा रहे थे। फॉर्च्यूनर चालक की पहचान गांव बालौर के प्रिंस के रूप में हुई है। यह वीडियो 29-30 नवंबर आधी रात का बताया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि एक शर्ट लैस आदमी सड़क के बीच में खड़ा होकर हाथ फैलाकर कंटेनर को रोक रहा है। लोगों ने उसकी इस हरकत की वीडियो बनाई। यह वीडियो वायरल हो रहा है। सदर पुलिस का कहना है कि फोर्ड मस्टैंग कार चालक की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ हाईवे पर जानबूझ कर किसी की जान जोखिम में डालने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धाराएं लगी हैं।विवाद के चलते फॉर्च्यूनर मालिक ने किया हंगामा यह भी सामने आ रहा है कि फोर्ड मस्टैंग कार सवारों के साथ फॉर्च्यूनर मालिक का दिल्ली में द्वारका एक्सप्रेस वे पर साइड को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद मारपीट की नौबत भी आई। इसके बाद फॉर्च्यूनर मालिक ने यह हंगामा किया। वह घायल है और उसके सिर में चोट लगी है। वह अस्पताल में भर्ती है।पुलिस को दी शिकायत में हिसार के मिजार्पुर निवासी नवदीप ने बताया कि वह 29 नवंबर को भांजे की शादी में गांव खांडा खेड़ी गए थे। बारात 29 नवंबर को खांडा खेड़ी से बादशाहपुर (जोधा फार्म) पहुंची थी। शादी संपन्न होने के बाद 29-30 नवंबर की रात करीब 2:30 बजे अपनी फोर्ड मस्टैंग कार में भांजे सुमित, उसकी दुल्हन के साथ वापस लौट रहे थे। जब उनकी गाड़ी यूईआर-2 फ्लाईओवर के नीचे बालौर गांव के पास पहुंची, तभी एक सफेद फॉर्च्यूनर गाड़ी उन्हें ओवरटेक करके आगे निकल गई। कुछ ही सेकेंड में फॉर्च्यूनर चालक ने आगे से यूटर्न लेकर उनकी मस्टैंग कार में जोरदार टक्कर मार दी। शिकायतकर्ता के मुताबिक आरोपी ने सिर्फ एक बार ही नहीं, बल्कि करीब 3-4 बार जान से मारने की नीयत से टक्कर मारी। लगातार लगती टक्करों से फोर्ड मस्टैंग को भारी नुकसान हुआ, हालांकि कार में मौजूद किसी व्यक्ति को शारीरिक चोट नहीं आई। इस घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि जानलेवा टक्कर व हाईवे पर अशोभनीय हरकत करने वाले आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाए। उधर, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेश कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो व शिकायत के आधार पर आरोपी प्रिंस के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि फॉर्च्यूनर मालिक को इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। पुलिस कई पहलुओं को ध्यान में रख कर जांच आगे बढा रही है।

खबर एक्सप्रेस

शादी में गई मासूम का पानी से भरे टब में मिला शव, पहले भी ऐसे ही 2 बच्चों की हो चुकी मौत

पानीपत : पानीपत के नौल्था गांव में शादी वाले घर में 6 साल की बच्ची की मौत से मातम पसर गया। बारात चढ़ने वाली थी, तभी शादी में रोहतक से आई बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बच्ची का शव शादी वाले घर के अंदर पानी से भरे टब में मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया। पुलिस ने परिवार के कई लोगों को हिरासत में लिया है। बड़ी बात यह है कि इस परिवार में इसी तरह डूबने से पहले भी दो बच्चों की मौत हो चुकी है। फिलहाल पुलिस मामले की बड़ी गहनता से जांच कर रही है। डीएसपी सतीश वत्स बोले कि यह हत्या है या फिर हादसा। इस बात की पुष्टि नहीं की जा सकती, जांच जारी है।

हरियाणा में बोर्डों, निगमों, कम्पनियों और सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों को भी डैथ-कम-रिटायरमेंट ग्रेच्यूटी का लाभ

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने एक जनवरी, 2006 के बाद सेवा में आए और न्यू डिफाइंड कॉन्ट्रिब्यूटरी पेंशन स्कीम (एनपीएस) के अंतर्गत आने वाले बोर्डों, निगमों, कम्पनियों और सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों को भी मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति उपादान (डैथ-कम-रिटायरमेंट ग्रेच्यूटी) का लाभ देने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का दायित्व भी है, द्वारा राज्य के सभी बोर्डों, निगमों, कम्पनियों और सहकारी संस्थाओं के प्रबंध निदेशकों, मुख्य प्रशासकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को एक पत्र जारी किया गया है। पत्र में वित्त विभाग के 19 जनवरी, 2017 का हवाला देते हुए बताया गया है कि एनपीएस के अंतर्गत आने वाले राज्य सरकार के कर्मचारी उसी तरह रिटायरमेंट ग्रेच्यूटी तथा डैथ ग्रेच्यूटी प्राप्त करने के पात्र होंगे, जो सीएसआर वॉल्यूम-2 के अंतर्गत कर्मचारियों को प्रदान किए जाते हैं। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मामलों की पूरी जांच और सत्यापन के बाद ही रिटायरमेंट/डैथ ग्रेच्यूटी प्रदान की जाए। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया है कि इन उपादानों के कारण बढ़ने वाले वित्तीय दायित्वों को सम्बन्धित बोर्ड या निगम द्वारा स्वयं के संसाधनों से पूरा किया जाएगा

हरियाणा के इस जिले के युवक का भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम में हुआ सिलेक्शन, लोगों में खुशी का माहौल

गोहाना : आईसीसी दिव्यांग इंडो नेपाल क्रिकेट अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगियों के लिए गोहाना के दौदवा गांव के विनोद का भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम में सिलेक्शन हुआ है। विनोद के सलेक्शन को लेकर आसपास के लोगों में खुशी का माहौल है। विनोद एक बहुत ही गरीब परिवार से संबंध रखता है। विनोद गोहाना आहुलाना शुगर मिल में माली का काम भी करता है। विनोद भिवानी में होने वाली तीन दिवसीय इंडो नेपाल क्रिकेट अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए आज गोहाना से रवाना हुए। यह क्रिकेट प्रतियोगिता तीन दिसम्बर से पांच दिसंबर तक भिवानी में आयोजित होनी है। विनोद ने बताया कि खुद दिव्यांग होने के कारण उसने बहुत कठिन परिश्रम किया है। वह एक गरीब परिवार से आता है। उसके पिता मजदूरी करते थे। उसने भी पढ़ाई के साथ साथ मजदूरी की है। उसका क्रिकेट के प्रति बहुत लगाव था। पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट भी खेलता था। मैं दिव्यांग भी हूं और परिवार की गरीबी के कारण पढ़ाई छोड़नी पड़ी, लेकिन क्रिकेट नहीं छोड़ा। सभी अपने फील्ड में आगे बढ़ते है। मैंने अपने क्रिकेट को लेकर काफी लगन रखते हुए क्रिकेट खेलना जारी रखा। आज मेरा इंडो नेपाल क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए सलेक्शन हुआ है। यह प्रतियोगिता भिवानी में आयोजित हो रही है।

भारत और नेपाल की क्रिकेट टीमों के बीच मैच होगा। वहीं उसके बाद कुछ देशों की वर्ल्ड स्तरीय क्रिकेट सीरीज होगी। उसके लिए भी मैं अपनी तैयारी कर रहा हूं। वहीं स्थानीय लोगों ने कहा कि विनोद बहुत ही मेहनतशील है। उसका क्रिकेट के प्रति जुनून अलग है। आज भारतीय टीम में सलेक्शन हुआ उसके लिए बहुत खुशी हो रही है।

हरियाणा में 5200 स्कूल बसों को किया जाएगा जब्त

हरियाणा : हरियाणा में 5200 स्कूल बसों को जब्त करने के आदेश दिए गए है। प्रदेश में 5 हजार 200 स्कूल बसें जांच में अनियमितता पाई गई। पुलिस ने 11 नवंबर तक 25 हजार से अधिक स्कूल बसों की जांच की जिसमें 5 हजार 200 बसों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया है। इस पर पुलिस ने चालान जारी किए हैं। पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने सभी जिला पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि जिन स्कूल बसों में फिटनेस, सुरक्षा उपकरण, वैध दस्तावेज या आवश्यक मानकों की कमी पाई गई, उन्हें तुरंत इंपाउंड किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाएगी। वहीं ओपी सिंह ने कहा कि हर स्कूल बस में फायर एक्सटिंगिवीशर, फर्स्ट-एड बॉक्स, जीपीएस सिस्टम, आपातकालीन निकास, वैध फिटनेस सर्टिफिकेट और प्रशिक्षित चालकझपरिचालक होना चाहित। उन्होंने कहा कि अगर इन नियमों का पालन नहीं किया तो चालान किए जाएंगे।

विदेश भेजने के लिए एयर टिकट के नाम पर लाखों का फ्रॉड

गुड़गांव, (ब्यूरो): लोगों को विदेश भेजने और एयर टिकट के नाम पर ठगी करने वाले को गुड़गांव पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने अपनी बेटियों के साथ मिलकर एक कंपनी बनाई जिसके जरिए पूरी वारदात को अंजाम दिया गया है।पुलिस के मुताबिक, एक व्यक्ति ने सेक्टर-53 थाना पुलिस को शिकायत देकर कहा था कि उसने एक कंपनी के जरिए एयर टिकट बुक कराई थी, लेकिन कंपनी ने रुपए लेने के बाद भी उसकी एयर टिकट बुक नहीं की। इस टिकट के साथ-साथ उन्होंने कंपनी से एक सप्ताह का टूर पैकेज भी लिया था। जब कंपनी की तरफ से एयर टिकट नहीं दी गई तो पीड़ित ने रुपए वापस मांगे, लेकिन आरोपियों ने रुपए भी वापस नहीं किए। पीड़ित आशीष जैन ने बताया कि उन्होंने अपनी कंपनी के माध्यम से आरोपियों के लिए कई बार एयर टिकट बुक कराई। करीब 70 लाख रुपए का बकाया होने के बाद इन आरोपियों ने रुपए देने से इंकार कर दिया। वहीं, भूपेंद्र चौधरी ने बताया कि उन्होंने भी आरोपी की कंपनी के जरिए एयर टिकट बुक कराई थी। आरोपियों ने उन्हें जापान एयरलाइन्स की फर्जी टिकट दे दी थी। इसके अलावा उन्होंने एक अन्य टिकट बुक करने के नाम पर भी उनसे रुपए ले लिए और उन्हें टिकट ही नहीं दी। वहीं, पुलिस प्रवक्ता अशोक कुमार की मानें तो मामले की जांच के करीब पांच महीने में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जिसकी पहचान 62 वर्षीय संदीप के रूप में हुई है।

पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक तौर की जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी ने अपनी बेटियों के साथ एक कंपनी बनाई हुई है जिसके जरिए पूरी वारदात को अंजाम दिया गया है। अभी मामले में कई और शिकायतकर्ता सामने आए हैं जिन्होंने भी मामले में शिकायत दी है जिसे इसी केस में मर्ज किया जा रहा है। अनुमान लगाया जा रहा है कि मामले में 20 करोड़ रुपए से भी ज्यादा का फ्रॉड हुआ है।मामले में फिलहाल पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर कर जेल भेज दिया है।

मामले की तकनीकी जांच की जा रही है। जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

अभय चौटाला ने खटखटाया HC का दरवाजा, जान का खतरा बता मांगी Z+ या जेड सुरक्षा

हरियाणा : इनेलो नेता अभय चौटाला ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अपने और परिवार के लिए अतिरिक्त सुरक्षा को लेकर हाईकोर्ट का रास्ता अपनाया। उन्हें पिछले कुछ समय से लगातार धमकियां मिल रही हैं। चौटाला ने केंद्रीय सुरक्षा बल द्वारा सुरक्षा मुहैया करवाने की भी मांग की है। उन्होंने याचिका में सत्ताधारी दल से जुड़े असमाजिक तत्वों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। याचिका पर आज हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। याचिका में दर्ज घटनाक्रम के अनुसार 15 जून 2023 से लेकर 15 जुलाई 2025 तक कई बार धमकियां मिलने का दावा किया गया है। चौटाला ने हाईकोर्ट को बताया है कि फोन और व्हाट्सऐप संदेश आए। कॉल करने वालों ने कहा, यह आखिरी चेतावनी है और उनके परिवार को भी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। अभय की ओर से दाखिल याचिका में कोर्ट से मांग की गई है कि उन्हें 24 घंटे केंद्रीय एजेंसी द्वारा जेड प्लस या जेड सुरक्षा श्रेणी की सुरक्षा दी जाए।

पटवारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, किसान से इस मामले में मांगी थी घूस

हांसी : हांसी में विजिलेंस विभाग ने मंगलवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पटवारी अजीत को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई भाटला गांव के एक किसान की शिकायत पर की गई, जिसने नक्शा और बदर बनवाने के लिए पटवारी से संपर्क किया था। किसान ने बताया कि पटवारी ने कुल 9,500 रुपए की रिश्वत मांगी थी, जिसमें से वह पहले ही 4,500 रुपए दे चुका था। बाकि 5 हजार रुपए की राशि लेते समय विजिलेंस टीम ने मौके पर छापा मारा। सूत्रों के अनुसार, पटवारी अजीत ने गोविंद नामक व्यक्ति को अपना सहयोगी बना रखा था, जिसने किसान से यह 5 हजार रुपए की रिश्वत ली थी। विजिलेंस टीम ने पूर्व योजना के तहत गोविंद के माध्यम से रिश्वत की रकम दिलवाई। जैसे ही गोविंद ने पैसे लिए, रासायनिक जांच में उसके हाथ रंगीन हो गए, जिसके बाद टीम ने पटवारी अजीत और उसके सहयोगी गोविंद दोनों को हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई के दौरान हांसी के एसडीएम राजेश खोथ को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था और वे पूरी प्रक्रिया के समय मौके पर मौजूद रहे। विजिलेंस टीम ने घटनास्थल से आवश्यक सबूत जुटाए हैं। विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच जारी है।

सिरसा में जुड़वा नाबालिग बहनों का अपहरण कर बनाया बंधक, सात दिनों तक रखा कैद

सिरसा : सिरसा जिले में जुड़वा बहनों का अपहरण का मामला सामने आया है। दोनों नाबालिग हैं। वह दोनों लकड़ी बीनने गई थी तब कार सवार महिला व उसके साथियों ने उनका अपहरण कर लिया। दोनों बहनों ने बताया कि उनको सात दिन तक पानीपत में बंद कमरे में बंधक बनाया था। दोनों वहां से रविवार को किसी तरह से निकल गईं और रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर जीआरपी थाना से मदद मांगी। जीआरपी ने मामले की जांच की और सिरसा पुलिस व उनके परिजनों को सूचना दी जिसके बाद परिजन रात को पानीपत पहुंच गए। सोमवार सुबह दोनों बहनों को परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। उधर, सिरसा पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बता दें कि रविवार देर शाम को रेलवे स्टेशन पर करीब 12 साल की जुड़वा बहनें पहुंची और पुलिसकर्मियों को देखकर रोने लगी। एक ने बताया कि वह सिरसा जिले के सदर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। वह 24 नवंबर को घर से जंगल में लकड़ियां लेने गई थीं। तभी एक कार उनके पास आई। जिसमें से एक महिला व युवक उतरा और उनके पास आ गए। इसी बीच उन्होंने उनके मुंह पर रूमाल रख दिया दिया जिससे वह बेसुध हो गईं। जब उन्हें होश आया तो वह एक कमरे में बंद थे। जहां पर सात दिन तक उन्हें बंधक बनाकर रखा गया। जब भी उन्हें होश आता तो उनके मुंह पर रूमाल रख दिया जाता था। रविवार शाम को किसी तरह से वह दोनों कमरे से निकल गईं।

रात को होटल में रुका जवान, सुबह नहीं खोला दरवाजा...मौके पर पहुंची पुलिस अंदर का नजारा देख रह

रेवाड़ी : रेवाड़ी जिले में एक होटल के कमरे में नौसेना के 25 वर्षीय जवान की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर होटल कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद कमरे का लॉक तोड़कर अंदर जाकर देखा तो जवान का शव बाथरूम में मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान महेंद्रगढ़ जिले के अटेली क्षेत्र के गांव गढ़ी रुठल निवासी हितेश के रूप में हुई है, जो करीब छह साल से भारतीय नौसेना में तैनात था। वह वर्तमान में केरल में पोस्टेड था और करीब 25 दिन की छुट्टी पर घर आया हुआ था। छुट्टी पूरी होने के बाद वह ड्यूटी पर लौटने के लिए रेवाड़ी पहुंचा, लेकिन बस या ट्रेन न मिलने के कारण रात में अंबेडकर चौक स्थित एक होटल में रुक गया। डीएसपी सुरेंद्र श्योराण के मुताबिक हितेश ने बीती रात करीब साढ़े तीन बजे होटल में कमरा लिया था।

सुबह 11 बजे तक कमरा खाली करना था, लेकिन निर्धारित समय तक दरवाजा नहीं खुला। कर्मचारियों ने कई बार आवाज लगाई, मगर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मॉडल टाउन थाना पुलिस व उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां जवान का शव बाथरूम में पाया गया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, जबकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। बताया गया है कि हितेश की शादी इसी वर्ष फरवरी माह में हुई थी। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

बदनाम करने वालों को कोर्ट में घसीटुंगा', पूर्व आईपीएस आरएस यादव के आरोपों पर अभय चौटाला का पलटवार

जींद : इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने आज जींद में मीडिया से बात करते हुए पूर्व आईपीएस अधिकारी रामसिंह यादव (आरएस यादव) और उनके समर्थकों पर तीखा प्रहार किया। चौटाला ने 2003 के कथित पिटाई प्रकरण वाले पुराने आरोप को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि यह सब एक सुनियोजित षड्यंत्र है और अब वे चुप नहीं बैठेंगे। जो मुझको बदनाम कर रहे हैं, सबको कोर्ट लेके जाऊंगा। अभय ने कहा मैं अकेले आर.एस. यादव को नोटिस नहीं भेजूंगा, मैं कईयों की तसल्ली करवाऊंगा। जिन-जिन लोगों ने षड्यंत्र के तहत मुझको बदनाम किया है, सबको नोटिस भेजूँगा। मुझको बदनाम करने वाले कोर्ट में खड़े-खड़े माफी माँगेंगे। जब आर.एस. यादव के पास नोटिस जाएगा, वो भी कोर्ट में खड़ा होके माफी माँगे। आर.एस. यादव को 23 साल बाद कैसे याद आया कि मुझको पीटा गया है? अभय ने कहा जो लोग ह्यमहम-महमह्न चिल्लाते फिरते हैं, उनका भी बहम निकाल दूँगा। उनको भी जल्द ही नोटिस भेजूँगा। बता दें कि पूर्व आईपीएस आरएस यादव ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि अभय चौटाला ने निजी दुश्मनी निकालते हुए उन पर केस लगवाया। इसी केस में पुलिसकर्मियों के सामने अभय चौटाला ने पुलिस चाबुक से उन्हें बुरी तरह पीटा। पूर्व आईपीएस के इस बयान से हरियाणा की राजनीति गर्मा गई है।

बीटेक के छात्र की अचानक तबीयत बिगड़ने से गई जान, परिवार का इकलौता था कुंदन

कुरुक्षेत्र : एनआईटी कुरुक्षेत्र में बीटेक के छात्र कुंदन की संदिग्ध हालात में मौत ने पूरे कैंपस को सदमे में डाल दिया है। घटना रविवार को दीक्षांत समारोह के कुछ ही समय बाद घटित हुई। दीक्षांत समारोह के बाद यह हादसा हुआ। प्राप्त जानकारी अनुसार रविवार को एनआईटी कुरुक्षेत्र में दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शिरकत की। कार्यक्रम के समापन के बाद कुंदन अपने दो दोस्तों के साथ बैठा हुआ था और बाद में हॉस्टल/मेस में खाना खाने पहुंचा। खाना खाते समय उसकी तबीयत बिगड़ गई। करीब दोपहर के दो बजे कुंदन खाना खा रहा था, तभी अचानक उसके सिर में तेज दर्द होने लगा और शरीर अकड़ने लगा, जिससे उसके साथी घबरा गए।

दोस्तों ने उसे तुरंत एनआईटी के हेल्थ सेंटर पहुंचाया, जहां प्रारंभिक जांच में डॉक्टरों को मिर्गी जैसा दौरा पड़ने की आशंका लगी। हेल्थ सेंटर के डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए कुंदन को एंबुलेंस से एलएनजेपी अस्पताल भेज दिया। वहां स्थिति और नाजुक होने पर उसे बड़े अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया, लेकिन साथी छात्र उसे जिले के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संस्थान का माहौल गमगीन मृतक कुंदन मूल रूप से इंदौर का रहने वाला था और बीटेक द्वितीय सेमेस्टर का छात्र था। जिसकी मौत पर संस्थान का माहौल भी गमगीन है। कुंदन के दोस्तों ने उसके परिजनों को भी सूचना दी। उधर कुंदन की मौत की खबर पाकर रात में ही परिजन कुरुक्षेत्र पहुंचे। घटना की सूचना मिलते ही NIT के डायरेक्टर पो. बीवी रमाना रेड्डी भी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि एनआईटी प्रशासन ने छात्र की अचानक हुई मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मामले की पूरी जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। उधर पुलिस ने कुंदन के पिता के बयान पर इत्तेफाकिया रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कुंदन के शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया गया है।

मुसीबत बना कोहरा! हरियाणा में ये ट्रेनें 3 महीने तक रद्द

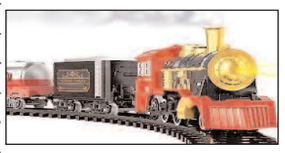

पानीपत : रेलवे यात्रियों के लिए जरुरी खबर है। कोहरे के दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे हर साल कुछ ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद्द करता है। उत्तर रेलवे ने पानीपत से अंबाला के बीच चलने वाली पैसेंजर ट्रेन संख्या 64541 और अंबाला से पानीपत के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 64532 को 1 दिसंबर से 28 फरवरी तक रद्द कर दिया है। ट्रेन रद्द रहने से हजारों यात्रियों को परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। नौकरी करने वाले लोगों को समय से काम पर पहुंचने में दिक्कत होगी। यात्रियों की बस और निजी वाहनों पर निर्भरता बढ़ेगी। फाजिल्का इंटरसिटी एक्सप्रेस एक घंटा, अमृतसर इंटरसिटी एक्सप्रेस 40 मिनट और दिल्ली-पानीपत एमईएमयू एक घंटे 40 मिनट की देरी से आई। लुधियाना स्पेशल फेयर एसी स्पेशल सुपरफास्ट फेस्टिवल सवा दो घंटे, जम्मू तवी एक्सप्रेस आधा घंटा और झेलम एक्सप्रेस आधे घंटे की देरी से पहुंची। वहीं नेताजी एक्सप्रेस सवा एक घंटा, कुरुक्षेत्र-दिल्ली एमईएमयू डेढ़ घंटा और हिमाचल एक्सप्रेस आधे घंटे की देरी से आई। आम्रपाली एक्सप्रेस सवा एक घंटा, हीराकुंड एक्सप्रेस आधा घंटा और दौलतपुर चौक जन शताब्दी एक्सप्रेस आधे घंटे की देरी से आई। शान ए पंजाब 38 मिनट और नई दिल्ली-कुरुक्षेत्र एमईएमयू एक घंटा की देरी से आई।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में हो रहे अत्याचार पर ब्रिटिश सांसद ने जताई चिंता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश संसद में लेबर पार्टी के सांसद जॉन मैकडॉनेल ने बलूचिस्तान में मानवाधिकार स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पाकिस्तानी बलों के जरिये सरकार समर्थित अपहरणों और ड्रोन हमलों पर ध्यान आकर्षित किया। मैकडॉनेल ने हाउस ऑफ कॉमन्स में तीन लिखित संसदीय प्रश्न और एक अर्ली डे मोशन दायर किया है।

फ्रांस : घर में लगी आग में दंपती समेत पांच लोगों की मौत

पेरिस, एजेंसी। पूर्वी फ्रांस के एक कस्बे में आग लगने से एक घर में मौजूद पांच लोगों की मौत हो गई। म्यूर्थ-ए-मोसेले विभाग ने रविवार को बताया कि न्यूवेस-मैसंस शहर में लगी आग पर काबू पाने के लिए रातभर 70 दमकलकर्मी व लगभग 40 वाहनों को तैनात किया गया था। उन्होंने बताया कि धुएं के कारण सांस लेने में परेशानी महसूस करने वाले छठे व्यक्ति का इलाज किया जा रहा है। वह खतरे से बाहर है। पीड़ितों में दंपती और 17 से 20 वर्ष की आयु के तीन युवा शामिल थे।

चीन में रिकॉर्ड 37 लाख लोगों ने दी सिविल सेवा की परीक्षा

बीजिंग, एजेंसी। चीन में रविवार को 37 लाख से अधिक लोगों ने राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा दी। चीन में सिविल सेवा के लिए उम्र सीमा को 35 साल से अधिक बढ़ाने के बाद यह पहली राष्ट्रीय परीक्षा थी। यह रिकॉर्ड संख्या देश में बढ़ती बेरोजगारी और सरकारी नौकरियों की मांग को दर्शाती है। राज्य संचालित समाचार एजेंसी ने बताया कि इस परीक्षा में औसतन प्रति सीट 98 आवेदक प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इन रिक्तियों में से लगभग 70 प्रतिशत कॉलेज के नए स्नातकों के लिए आरक्षित हैं।

सीरिया में लोकतंत्र अभी दूर, पर सुधार अच्छा : एमनेस्टी इंटरनेशनल

दमिश्क़, एजेंसी। गैर सरकारी वैश्विक मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने शनिवार को कहा कि सीरिया में नई सरकार ने सुधारों और संक्रमणकालीन न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है, लेकिन लोकतंत्र की कमी अभी भी है। बशर असद की सरकार गिरने के एक साल बाद कैलामार्ड का कहना है कि कानूनी सुधार योजनाओं और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों का स्वागत होना सकारात्मक संकेत है।

ताइवान : चीनी सेना के 25 विमानों ने क्रॉस की मध्य रेखा

ताइपे , एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उनके क्षेत्र के आसपास चीन के पीएलए के 27 विमानों, 11 नौसैनिक जहाजों और तीन सरकारी जहाजों को देखा गया। एमएनडी के अनुसार, 27 विमानों में से 25 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। इन विमानों में शेनयांग जे-16 और भारी बॉम्बर शियान एच-6 शामिल थे। एमएनडी ने कहा कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जवाब दे रहे हैं। ताइवान ने कहा कि चीन जापान के साथ तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों के बेस में घुस गए हमलावर, खुद को बम से उड़ाया ; तीन मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 24 घंटे के अंदर ही कम से कम सात धमाके हुए। वहीं बलूचिस्तान के नोकुंडी में फ्रंटियर कॉर्प्स के हेडक्वार्टर के गेट पर फिदायीन हमला किया गया। हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया। इसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। प्रशासन का कहना है कि यह हमला तहरीक-ए-तालिबान ने किया है। पाकिस्तान के अर्द्धसैनिक बलों के हेडक्वार्टर पर हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन में तीन हमलावरों को मार गिराने का दावा किया गया है। बलूचिस्तान साउथ के फ्रंटियर कॉर्प्स के मुताबिक हेडक्वार्टर के गेट पर ही जबरदस्त आवाज हुई। इसके बाद तुरंत सुरक्षाबलों ने अभइयान शुरू कर दिया। बताया गया कि कम से कम 6 हमलावर हेडक्वार्टर में दाखिल हुए थे। एफी के प्रवक्ता ने बताया कि जब तक सभी आतंकियों को मारा नहीं जाता, ऑपरेशन खत्म नहीं होगा। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक सुरक्षाबल हर कमरे की ठीक से जांच कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले पेशावर में फ्रंटियर कॉर्प्स के परिसर में फिदायीन हमला हुआ था जिसमें तीन की जान चली गई थी। वहीं क्वेटा में पैरामिलिट्री बेस में कार में हुए धमाके से भी इलाका दहल गया था। पाकिस्तान में बीते कुछ महीनों से इस तरह के हमले तेजी से बढ़े हैं। साभर में ही बलूचिस्तान में सैकड़ों पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। कई बार बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी हमलों की जिम्मेदारी ली है।

भारतीयों ने ही अमेरिका को सुपरपावर बनायाः एलन मस्क

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने रविवार को कई दिनों की अटकलों के बाद आखिरकार जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ के पॉडकास्ट पिपुल बाय डब्ल्यूटीएफ में साफ कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका को कुशल भारतीय प्रतिभाओं के आने से भारी लाभ हुआ है। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने आखिरकार वो बात बोल ही दी, जिसे सुनकर अमेरिका के अंदरूनी इमिग्रेशन-विरोधी गुटों के होश उड़ गए। जीरोधा के निखिल कामथ के पॉडकास्ट में मस्क ने साफ-साफ कहा कि अमेरिका को पिछले दशकों में जितना फायदा हुआ है, उसका बड़ा हिस्सा भारतीय टैलेंट की वजह से हुआ है। सत्या नडेला, सुंदर पिचाई जैसे लोग इसका जीता-जागता सबूत हैं। और तो और, जब एच1-बी वीजा को लेकर ट्रंप कैंप में घमासान मचा हुआ है, तब मस्क ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस प्रोग्राम का दुरुपयोग हुआ है, इसे ठीक करो, लेकिन बंद करोगे तो अमेरिका खुद अपनी सबसे बड़ी ताकत को मार डालेगा। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब हजारों भारतीयों का सदियों पुराना अमेरिकी सपना (ऊंची पढ़ाई, मोटी सैलरी वाली नौकरियां, बेहतर लाइफस्टाइल और तरक्की का वादा) सख्त होते वीजा नियमों और अचानक नीतिगत बदलावों की वजह से तेजी से फीका पड़ता दिख रहा है। मस्क ने कहा कि मेरा मानना है कि अमेरिका को यहां

आए टैलेंटेड भारतीयों से बहुत फायदा हुआ है। इस दौरान निखिल कामथ ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे सफल भारतीयों का उदाहरण दिया, जो दशकों से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के एच1-बी प्रोग्राम का समर्थन करने के कुछ ही दिन बाद रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने इसे धीरे-धीरे खत्म करने का बिल पेश कर दिया और दावा किया कि यह अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियां छीन रहा है। ऐसे कदम भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए बड़ा खतरा हैं, क्योंकि एच1-बी उनके लिए ग्रीन कार्ड और फिर अमेरिकी नागरिकता का सबसे आम रास्ता रहा है। ट्रंप 2.0 सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के हेड रहे मस्क ने कहा कि बाइडेन प्रशासन में बॉर्डर कंट्रोल नाम की कोई चीज नहीं थी। बिना बॉर्डर कंट्रोल के आप देश नहीं कहला सकते। बाइडेन के समय बड़े पैमाने पर अवैध इमिग्रेशन हुआ, जिससे नेगेटिव सिलेक्शन इफेक्ट पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि अगर अवैध तरीके से अमेरिका आकर ढेर सारे सरकारी लाभ मिल रहे हैं, तो आप गलत तरह के लोगों को आकर्षित करते हैं। यह एक गलत इंसेंटिव स्ट्रक्चर है। बॉर्डर कंट्रोल न होना बिल्कुल बेतुका था। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से पहले की इमिग्रेशन पॉलिसी पर बोलते हुए मस्क ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि आम अमेरिकी नागरिकों का यह डर बहुत वास्तविक है कि विदेशी टैलेंट उनकी नौकरियां छीन रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा अपना अनुभव यही है कि टॉप टैलेंट हमेशा कम पड़ता है। मुश्किल काम करवाने के लिए आपको असाधारण लोग चाहिए। कुछ कंपनियां इसे सिर्फ कॉस्ट का खेल बना देती हैं। अगर अमेरिकी नागरिक से आधे या उससे भी कम पैसों में कोई काम कर दे तो वे उसे हायर कर लेती हैं। स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्स जैसे अपने खुद के टॉप अमेरिकी कंपनियों का उदाहरण देते हुए मस्क ने कहा कि उनकी कंपनियां हमेशा बेस्ट टैलेंट ढूंढती हैं और उन्हें एवरेज से कहीं ज्यादा सैलरी देती हैं। इसलिए एच1-बी के दुरुपयोग को रोकना जरूरी है, लेकिन प्रोग्राम को पूरी तरह बंद करना सही नहीं। उन्होंने अंत में कहा कि हां, एच1-बी प्रोग्राम का कुछ कंपनियों ने दुरुपयोग किया है। खासकर कुछ आउटसोर्सिंग कंपनियों ने सिस्टम के साथ खेला है, उसे रोकना होगा। लेकिन मैं बिल्कुल इस बात से सहमत नहीं कि एच1-बी प्रोग्राम ही बंद कर देना चाहिए।

मस्क ने बताया- उनकी पत्नी को गोद लिया गया था : पॉडकास्ट के दौरान एलन मस्क ने कहा कि 'मुझे नहीं पता कि आप इस बारे में जानते हैं या नहीं, लेकिन मेरी पार्टनर शिवॉन आधी भारतीय हैं। मेरे और उसके एक बेटे का मध्य नाम शेखर है, जो चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है।' मस्क ने बताया कि उनकी पार्टनर शिवॉन जिलिस कनाडा में पली-बढ़ी हैं और जब वे एक छोटी बच्ची थीं, तब उन्हें गोद लिया गया था। शिवॉन जिलिस ने साल 2017 में मस्क की कंपनी न्यूरालिंक जॉइन की थी और वे फिलहाल कंपनी में डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस एंड स्पेशल प्रोजेक्ट्स के तौर पर काम कर रही हैं। शिवॉन ने येल यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की है।

नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से मांगा क्षमादान, अपने खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मुकदमे के बीच किया अनुरोध

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने चल रहे भ्रष्टाचार मुकदमे के बीच देश के राष्ट्रपति से आधिकारिक रूप से माफी मांगी है। यह कदम इस्राइल की राजनीति में बड़ा और असाधारण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति कार्यालय के कानूनी विभाग को अपना माफी का आवेदन भेज दिया है। वहीं राष्ट्रपति कार्यालय ने इस आवेदन को 'असाधारण और दूरगामी असर वाला कदम' बताया है।

नेतन्याहू पर क्या हैं आरोप : बेंजमिन नेतन्याहू इस्राइल के इतिहास में पहले ऐसे मौजूदा प्रधानमंत्री हैं जिन पर भ्रष्टाचार का मुकदमा चल रहा है। उनके खिलाफ तीन बड़े मामलों में आरोप दर्ज हैं। इसमें धोखाधड़ी, भरोसे का उल्लंघन, रिश्वत लेना शामिल हैं। इन मामलों में आरोप है कि नेतन्याहू ने अमीर व्यापारियों और राजनीतिक समर्थकों से उपहार और फायदे लिए और बदले में उन्हें लाभ पहुंचाया। हालांकि, अब तक किसी भी मामले में उनकी दोष सिद्धि नहीं हुई है। वह लगातार सभी आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते रहे हैं।

नेतन्याहू का देशवासियों के लिए संदेश : इस्राइल के नागरिकों। मेरे खिलाफ जांच शुरू हुए लगभग दस साल हो गए हैं। इन मामलों में ट्रायल लगभग छह साल से चल रहा है और उम्मीद है कि यह कई और वर्षों

तक चलेगा। जैसे-जैसे कोर्ट में मेरे खिलाफ झूठी दलीलों को पूरी तरह से गलत साबित करने वाले बयान और सबूत सामने आ रहे हैं, और जैसे-जैसे यह साफ हो रहा है कि मेरे खिलाफ सबूतों का ढांचा गंभीर अपराध करते हुए बनाया गया था, मेरा निजी हित रहा है और रहेगा कि इस प्रोसेस को आखिर तक जारी रखा जाए जब तक कि मैं सभी आरोपों से पूरी तरह बरी न हो जाऊं। लेकिन सुरक्षा और राजनीतिक हकीकत, देश के हित, कुछ और ही चाहते हैं। इस्राइल देश बहुत बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है और उनके साथ-साथ खतरों को दूर करने के बहुत सारे मौके भी हैं। इन मौकों को पाने के लिए देश की एकता जरूरी है। ट्रायल का जारी रहना हमें अंदर से तोड़ रहा है। फूट डालने की यह कोशिश फूट को और बढ़ाती है। मुझे यकीन है, देश के कई और लोगों की तरह, कि ट्रायल का तुरंत खत्म होना आग को कम करने और उस बड़े मेल-मिलाप को बढ़ावा देने में बहुत मदद करेगा जिसकी हमारे देश को बहुत जरूरत है। मैंने इस मामले पर लंबे समय से बहस की है, लेकिन हाल ही में जो हुआ है।

भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद, नहीं प्रभावित होंगे संबंधः विदेश सलाहकार हुसैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह भारत से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। लेकिन इस मुद्दे को नई दिल्ली के साथ द्विपक्षीय संबंधों में बाधा नहीं बनने देगा। ढाका में अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत हसीना को प्रत्यर्पित किए बिना बेहतर संबंधों की उम्मीद की जा सकती है तो हुसैन ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे (द्विपक्षीय) संबंध केवल एक मुद्दे पर अटके नहीं रहेंगे। हालांकि हुसैन ने कहा कि चूंकि हसीना अब एक घोषित अपराधी हैं, बांग्लादेश उनके जल्द से जल्द भारत से प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। हसीना के खिलाफ पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। जिस दौरान कई प्रदर्शनकारी मारे गए थे। कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पांच अगस्त 2024 को उनकी सरकार का पतन हो गया। इसके बाद हसीना ने भागकर भारत में शरण ली। इस साल 17 नवंबर को एक विशेष न्यायाधिकरण ने गैरहाजिर होने पर पूर्व प्रधानमंत्री को मृत्युंद की सजा सुनाई गई। इससे पहले बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। ढाका में मोहम्मद यूनुस नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत भारत के साथ संबंधों के बारे में एक अन्य सवाल के जवाब में हुसैन ने कहा, भारत को नई वास्तविकताओं के साथ तालमेलन होने के लिए कुछ समय चाहिए। हालांकि सलाहकार ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ बेहतर संबंध रखना चाहेंगे, जो दोनों पक्षों के हितों पर आधारित हों। इससे पहले बुधवार को हुसैन ने कहा था कि भारत ने हसीना के प्रत्यर्पण के लिए पहले की गई मांग पर कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन ढाका अब नई दिल्ली से जवाब की उम्मीद करता है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री के दोषी ठहराए जाने के बाद 'स्थिति अब अलग है।

दित्वाह से श्रीलंका में अब तक 334 लोगों की मौत, भारतीय एयरफोर्स 104 भारतीयों को रेस्क्यू कर लाई वापस

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह से मची तबाही में अब तक कम से कम 334 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया के स्थानीय मीडिया ने डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर (डीएमसी) के हवाले से बताया कि 370 लोगों की अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इस बीच ऑपरेशन सागरबंधु के तहत भारतीय वायु सेना श्रीलंका के आपदाग्रस्त क्षेत्रों फंसे लोगों को रेस्क्यू कर रही है। भारतीय वायुसेना ने 40 श्रीलंकाई सैनिकों और 104 भारतीयों को रेस्क्यू किया। इस तूफान से कैंडी शहर में सबसे ज्यादा तबाही मची है। कैंडी में अब तक 88 मौतें हुई हैं, जबकि 150 लोग लापता बताए गए हैं। बादुल्ला में 71, नुवारा एलिया में 68 और मटाले में 23 लोगों की मौत हुई है। डेली मिरर ने डीएमसी के हवाले से बताया कि इस आपदा से देशभर के 309,607

परिवारों के 1,118,929 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां संपर्क पूरी तरह से बाधित हो गया है। इसकी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में भी दिक्कतें आ रही हैं। भारतीय रेस्क्यू टीमें बाढ़ से प्रभावित समुदायों की मदद के लिए श्रीलंका एयर फोर्स, नेवी, आर्मी, और पुलिस के साथ तालमेल बैठाकर काम कर रही हैं। वहीं फर्स्ट रिस्पांडर (जो आपदा या इमरजेंसी के समय में सबसे पहले पहुंचकर प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाते हैं) भी रेस्क्यू ऑपरेशन में अन्य टीमों के साथ कोऑर्डिनेशन कर लोगों को बचाने का काम कर रहे हैं। कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने जानकारी दी है कि श्रीलंका में फंसे 104 भारतीय नागरिकों के आखिरी बैच को सोमवार को निकालकर घर वापस लाया गया। भारतीय हाई कमीशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कोलंबो के बंदरनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय यात्रियों का आखिरी बैच घर पहुंच गया है। 104 फंसे हुए भारतीय आज सुबह करीब 6.30 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से तिरुवनंतपुरम पहुंचे।' लोगों को निकालने के साथ-साथ भारत ने श्रीलंका में बचाव और राहत अभियान भी तेज कर दिए हैं। इससे पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने रविवार को ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका के एक प्रतिबंधित क्षेत्र से फंसे यात्रियों को निकालने के लिए एक हाइब्रिड बचाव अभियान चलाया। आईएएफ ने एक्स पर कहा कि एक गरुड़ कमांडो को विंच से नीचे उतारा गया ताकि ग्रुप को कोटमाले के एक हेलीपैड तक ले जाया जा सके, जहां से 24 यात्रियों को कोलंबो पहुंचाया गया। सेना ने कहा, 'एक साथ की कोशिश में, तीन गंभीर घायलों को तुरंत मेडिकल मदद के लिए कोलंबो एयरलिफ्ट किया गया।

नक्शा विवाद के बीच नेपाल ने चीनी कंपनी को दिया नोट छपाई का ठेका, इतने करोड़ नोटों का करार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली नोट पर अंकित नक्शे को लेकर जारी विवाद के बीच काठमांडो ने विभिन्न मूल्यों के अपने नोटों की छपाई का ठेका चीनी कंपनी को दे दिया है। 100 रुपये के नेपाली नोट पर अंकित नक्शे में भारत के तीन क्षेत्रों को अपने हिस्से में दर्शाया गया है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने बताया कि एनआरबी ने चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50, 500 व 1,000 के नेपाली रुपये के नोट छापने का ठेका दिया है। पौडेल ने कहा कि हाल में दिए गए ठेके के अनुसार चीनी प्रेस नौ महीने के भीतर नेपाली बैंक नोटों का डिजाइन, प्रिंट व आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। एनआरबी चीनी कंपनी को जानकारी उपलब्ध कराएगा जिसके आधार पर वह नोट को डिजाइन करेगा। डिजाइन को एनआरबी मंजूर करेगा जिसके बाद ही नोटों की छपाई होगी।

4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए हुआ करार : महीने की शुरुआत में इसी चीनी कंपनी के साथ 1,000 रुपये के 4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए करार हुआ था। नेपाली रुपये के 1,000 के नोट पर दूसरी चीजों के साथ सात रोडोडेंड्रोन होंगे, जो नेपाल का राष्ट्रीय फूल है। नोट पर सात प्रांत दिखाए गए हैं। कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा को दिखाया अपना हिस्सा दरअसल, नेपाल के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को 100 रुपये का नया नोट जारी किया है, जिसमें देश का संशोधित नक्शा छपा है। इस नक्शे में भारतीय क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है। भारत ने इसको लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नेपाल के नक्शे की निंदा की और कहा कि यह एकतरफा कृत्य है, जो जमीनी हकीकत नहीं बदलता। नक्शे को लेकर विवाद पिछले एक साल से चल रहा है और भारत ने नेपाल को आगाह किया था कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा कृत्रिम विस्तार स्वीकार्य नहीं होगा। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) की ओर से जारी नया नोट पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर वाला है। नोट पर छपाई वर्ष 2081 बीएस (साल 2024) दर्ज है। वर्ष 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार ने संसद से मंजूरी लेकर इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। साल 2020 में भारत ने नेपाल के संशोधित नक्शे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे एकतरफा और अस्वीकार्य कदम बताया था। नेपाल की भारत से 1,850 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है।

ट्रंप लंबे समय के लिए खत्म कर सकते हैं शरण देने की प्रणाली

वॉशिंगटन, एजेंसी। बीते दिनों अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास हुए हमले के बाद ट्रंप प्रशासन ने जांच नियमों और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सख्त करने का फैसला किया है। इसके तहत अब ट्रंप की प्रशासन ने अमेरिका में आव्रजन (इमिग्रेशन) नीतियों को और कड़ा करने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वे शरण देने की प्रक्रिया को लंबे समय के लिए रोकना चाहते हैं। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि कई ऐसे लोग देश में आ रहे हैं जिन्हें अमेरिका में नहीं होना चाहिए। ट्रंप ने हाल ही में व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी करने वाले अफगान नागरिक का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे लोग देश के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे लोगों को अमेरिका नहीं चाहते। इनमें से कई लोग ऐसे हैं जो अच्छे नहीं है। हमारे पास पहले से ही काफी समस्याएं हैं।

व्हाइट हाउस के पास हमला : बता दें कि यह कदम उस अफगान प्रवासी की गिरफ्तारी के बाद आया है जिस पर व्हाइट हाउस के पास एक नेशनल गार्ड सदस्य की हत्या का आरोप है। बुधवार को हुए हमले में स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई, जबकि स्टाफ सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना के बाद ट्रंप प्रशासन ने जांच नियमों और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सख्त करने का फैसला किया है।

सोमालिया जैसे देशों पर साधा निशाना : ट्रंप ने सोमालिया जैसे देशों पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ये ऐसे देश हैं जहां न सरकार है, न सेना, न पुलिस। लोग

एक-दूसरे को मारते रहते हैं और फिर हमारे देश आकर बताते हैं कि हमें कैसे चलाना चाहिए। हमें इनकी जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि 19 से ज्यादा देशों पर कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं, क्योंकि वे अपराध से भरे हुए हैं। नेशनल गार्ड पर हमले का जिक्र इस दौरान ट्रंप ने व्हाइट हाउस के पास हुए हमले में घायल दो नेशनल गार्ड सैनिकों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एंड्रयू वोल्फ अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि दूसरी सैनिक सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हमले के आरोपी अफगान नागरिक रहमनुल्लाह लाकनवाल पर योजना बनाकर और जानबूझकर की गई हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पूर्व राष्ट्रपति बाइडन पर भी बोला बड़ा हमला इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्होंने बिना जांच-पड़ताल के लोगों को देश में आने दिया, जिससे आज यह स्थिति बनी। ट्रंप ने यह भी कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने भी कहा कि बाइडन प्रशासन ने देश के खिलाफ आत्म-नुकसान करने जैसा काम किया। गौरतलब है कि लाकनवाल 2021 में ऑपरेशन एलाइज वेलकम के तहत अमेरिका आया था।

फ्लोरिडा में यूएस-यूक्रेन की मीटिंग, ट्रंप टीम जल्द मॉस्को जाकर पुतिन से करेगी वार्ता

तल्हासी, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिशें एक बार फिर तेज हो गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारी रविवार को फ्लोरिडा में यूक्रेनी अधिकारियों से मिले, जहां प्रस्तावित शांति फ्रेमवर्क के अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस बीच ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे अपने प्रतिनिधिमंडल को इस सप्ताह मॉस्को भेज रहे हैं, जहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण वार्ता तय है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर ने यूक्रेनी शांति दल से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब यूक्रेन एक ओर रूसी सेना से जूझ रहा है और दूसरी ओर बड़े घरेलू भ्रष्टाचार विवाद से घिरा है।

शांति समझौते के लिए अभी और काम जरूरी: रूबियो : अमेरिका और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बैठक की। इस वार्ता का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए एक रास्ता तलाशना था। बैठक के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि बातचीत उपयोगी रही, लेकिन अभी शांति समझौते तक पहुंचने के लिए काफी काम बाकी है। रूबियो ने कहा मुद्दा सिर्फ लड़ाई खत्म करने का नहीं है, बल्कि ऐसा समाधान ढूंढना है जिससे यूक्रेन की संप्रभुता और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। आज हमने कुछ प्रगति की है, लेकिन यह प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। यूक्रेन की तरफ से सुरक्षा परिषद प्रमुख रुस्तेम उमेरोव ने हिस्सा लिया। उन्होंने अमेरिका के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा अमेरिका हमारी बात सुन रहा है, हमें समर्थन दे रहा है और हमारे साथ काम कर रहा है। उमेरोव ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि बातचीत में कितनी प्रगति हुई, लेकिन उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित और समृद्ध यूक्रेन है, और इस दिशा में

अमेरिका पूरी तरह सहयोग कर रहा है।

भ्रष्टाचार विवाद के बीच बदला यूक्रेन का वार्ताकार : कुछ दिन पहले राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपने शक्तिशाली चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रिय येर्माक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। ऊर्जा सेक्टर में 100 मिलियन डॉलर की गबन घोटाले की जांच के बाद यह बड़ा कदम उठाया गया। रूबियो की येर्माक से पिछली मुलाकात केवल एक हफ्ता पहले जिनेवा में हुई थी, जहां दोनों पक्षों ने शांति योजना के संशोधित ड्राफ्ट पर सहमति जताई थी।

ट्रंप-पुतिन वार्ता से पहले बढ़ी हलचल : ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता के लिए अपने दूत स्टीव विटकॉफ और संभवतः जेरेड कुश्नर को भेजेंगे। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति भवन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भी पुष्टि की है कि पुतिन गुरुवार से पहले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगे। ट्रंप की शांति योजना में कई विवादित बिंदु शामिल थे। जैसे यूक्रेन की सेना के आकार पर सीमा लगाने का प्रस्ताव, नाटो सदस्यता पर रोक, 100 दिनों के भीतर चुनाव करवाने की शर्त और शुरुआती प्रस्ताव में पूर्वी डोनबास क्षेत्र को रूस को सौंपने का सुझाव, जिसे अब संशोधित कर दिया गया है। हालांकि, ट्रंप इस पूरी योजना को अब केवल एक 'कॉन्सेप्ट' या 'ब्लूप्रिंट' बता रहे हैं, जिससे यह साफ है कि इसके अंतिम स्वरूप को लेकर अभी भी कई पहलू तय होना बाकी हैं।

युद्ध नहीं थमा, हमले जारी : यूक्रेन में शांति वार्ता की हलचल के बीच रूस ने कीव और उसके आसपास के क्षेत्रों में मिसाइल और ड्रोन हमलों की तीव्रता बढ़ा दी है। शनिवार को हुए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए। वहीं, रविवार तड़के वियशहोरोड में एक आवासीय इमारत पर ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 19 लोग घायल हुए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, रूस ने हाल के हमलों में 122 ड्रोन और कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमलों की संख्या बताते हुए कहा कि सिर्फ एक हफ्ते में रूस ने 1,400 ड्रोन और 66 मिसाइलें दागीं। हमें मजबूत वायु सुरक्षा और ऐसे वास्तविक समाधान चाहिए जो युद्ध को समाप्त करने में मदद कर सकें।

रायपुर वनडे से पहले स्टेन का बड़ा बयान: रोहित-विराट का जलवा कायम, डी कॉक पर सबकी निगाहें

रांची (एजेंसी)। रायपुर में भारत के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे, जबकि दक्षिण अफ्रीका के लिए, रांची में पहले वनडे में शून्य पर आउट होने के बाद वरिष्ठ बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक को कुछ साबित करना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा वनडे बुधवार को रायपुर में होगा। भारत सीरीज में 1-0 से आगे है।

रांची में पहले वनडे में विराट कोहली (135), केएल राहुल (60) और रोहित शर्मा (58) ने यादगार बल्लेबाजी की, जिससे भारत 349/8 पर पहुंच गया। 11/3 से पिछड़ने के बाद, मैथ्यू ब्रीट्ज़के (72), मार्को जेनसन (70) और कॉर्बिन बॉश (67) की प्रोटियाज तिकड़ी ने प्रोटियाज को जीत के करीब पहुंचाया। दूसरे वनडे से अपनी उम्मीदों पर बात करते हुए, जियोस्टार विशेषज्ञ स्टेन ने कहा कि मुझे लगता है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का प्रदर्शन जारी रहेगा। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि कौन से तेज़ गेंदबाज़ और कौन से स्पिनर कुछ दिलचस्प करते हैं। यह अब तक बल्लेबाज़ों के लिए स्वर्ग रहा है, तो कौन से गेंदबाज़ दूसरे वनडे में अच्छा प्रदर्शन करेंगे? क्विंटन डी कॉक ने पहले वनडे में कोई रन नहीं बनाया था, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अपनी बात साबित करनी होगी। वह ऐसे गेंदबाज़ हैं जिन पर दक्षिण अफ्रीका बड़ा स्कोर बनाने के लिए निर्भर करेगा।

इस साल वनडे से संन्यास लेने के बाद सफ़ेद गेंद से वापसी करने के बाद से, डी कॉक ने वनडे में दक्षिण अफ्रीका के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने चार मैचों में 79.66 की औसत और 91 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 123* रन रहा है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भारत के खिलाफ है, उन्होंने भारत के खिलाफ 51.28 की औसत से 1,077 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं तथा उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 रन है।

महिला क्रिकेटरों स्नेह राणा, प्रतीका रावल ओर रेणुका सिंह का हुआ प्रमोशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने 2025 विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीन खिलाड़ियों स्नेह राणा, प्रतीका रावल और रेणुका सिंह ठाकुर को प्रमोशन दिया है। रेलवे ने इन तीनों को ही आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन देते हुए ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी- स्पोर्ट्स) के पद पर नियुक्त किया है। इन तीनों खिलाड़ियों को अब ग्रुप बी गजेटेड ऑफिसर के बराबर वेतन और सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) की इस पहल से महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सुरक्षा मिलेगी बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारी भी मिलेगी।

गौरतलब है कि महिला क्रिकेट विश्व कप का आयोजन इस बार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुआ था। इसके खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता था।

राणा सहित तीनो ही क्रिकेटरों ने इस सम्मान और प्रमोशन के लिए रेलवे का आभार जताते हुए कहा है कि इससे उनको और बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। राणा को

राणा हाल ही में महिला प्रीमियर लीग नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया। गत सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने के बाद राणा अब जेमिमा रोड्रिग्स और शैफाली वर्मा के साथ कैपिटल्स की ओर से खेलती नजर आयेंगी।

वैभव सूर्यवंशी की नाबाद शतकीय पारी बेकार गई, महाराष्ट्र के खिलाफ हारा बिहार

कोलकाता (एजेंसी)। प्रतिभावान बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 61 गेंद में नाबाद 108 रन की पारी के बावजूद बिहार को मंगलवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में महाराष्ट्र के खिलाफ तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर बिहार ने 14 साल के सूर्यवंशी की नाबाद पारी से तीन विकेट पर 176 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और सात छक्के मारे और टूर्नामेंट के इतिहास में शतक जड़ने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। इसके जवाब में महाराष्ट्र ने कप्तान पृथ्वी साव की 30 गेंद में 66 रन की पारी के अलावा नीरज जोशी(30), रंजीत निकम (27) और निखिल नाईक (22) की पारियों से पांच गेंद शेष रहते सात विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की। मोहम्मद इजहार (22 रन पर दो विकेट) और सकीबुल गनी (50 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाकर बिहार को मैच में बनाए रखा लेकिन महाराष्ट्र ने अंतत: धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। इससे पहले सूर्यवंशी ने सात छक्के जड़ बिहार की ओर से टी20 पारी में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने आयुष लोहारुका (नाबाद 25) के साथ चौथे विकेट के लिए 75 रन जोड़े। सूर्यवंशी ने अंतिम ओवर में अर्शिन कुलकर्णी पर चौके के साथ शतक पूरा किया। जाधवपुर यूनिसर्विटी मैदान पर गोवा ने मध्य प्रदेश को सात विकेट से हराया। मध्य प्रदेश के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा ने सुयश प्रभुदेसाई (नाबाद 75) और अभिनव तेजराणा (55) के अर्धशतक से 18.3 ओवर में तीन विकेट पर171 रन बनाकर जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश ने इससे पहले हरप्रीत सिंह के 80 रन की बदौलत छह विकेट पर 170 रन बनाए।

आईपीएल2026 नीलामी: 2 करोड़ बेस प्राइस पर ग्रीन, लिविंगस्टोन; वेंकटेश-बिश्नोई लिस्ट में, मैक्सवेल क्यों नहीं?

मुम्बई (एजेंसी)। कैमरून ग्रीन, लियाम लिविंगस्टोन, रवि बिश्नोई, वेंकटेश अय्यर और मथीशा पथिराना उन 45 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में 2 करोड़ रुपये के उच्चतम आधार मूल्य के साथ प्रवेश किया है। कुल 1,355 खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है और 30 नवंबर को पंजीकरण बंद होने के बाद सोमवार को फ्रेंचाइजी के साथ साझा किया। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अधिकतम 25 खिलाड़ियों की टीम बनाने की अनुमति है और इस साल 77 स्थान उपलब्ध हैं, जिनमें 31 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।

आईपीएल सभी दस टीमों से इच्छा सूची प्राप्त करने के बाद इस सूची को छोटा करेगा। 16 दिसंबर को अबू धाबी में दिन भर चलने वाली नीलामी से पहले, फ्रेंचाइजी को अपनी शॉर्टलिस्ट जमा करने के लिए 5 दिसंबर तक का समय दिया गया है। भारतीय खिलाड़ियों में, प्रमुख भूमिकाओं में विशेषज्ञ खिलाड़ी बड़ी बोलियां आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन सुर्खियाँ ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर टिकी हैं, जिन्होंने पीठ की चोट के कारण 2025 की मेगा-नीलामी को छोड़ दिया था। जिन टीमों के मजबूत रुचि दिखाने की उम्मीद है, उनमें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) (64.3 करोड़ रुपये का पर्स) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) (43.4 करोड़ रुपये) शामिल हैं, दोनों के पास स्वस्थ बजट हैं।

केकेआर, विशेष रूप से वेस्टइंडीज के टी20 दिग्गज आंद्रे रसेल के हाल ही में आईपीएल से संन्यास लेने के बाद, ग्रीन पर आक्रामक रूप से काम कर सकता है। ग्रीन की बहुमुखी प्रतिभा, वह क्रम में कहीं भी बल्लेबाजी कर सकते हैं, सीम-अप गेंदबाजी कर सकते हैं, और क्षेत्ररक्षण में भारी योगदान दे सकते हैं, उन्हें इस साल सबसे अधिक मांग वाले नामों में से एक बनाता है। केकेआर ने वेंकटेश अय्यर सहित नौ खिलाड़ियों को रिलीज़ किया, जिनकी कीमत उन्हें पिछले साल की मेगा-नीलामी में 23.5 करोड़ रुपये लगी थी। अब उनके पास भरने के लिए 12 स्थान हैं, जिनमें छह विदेशी शामिल हैं। पांच बार की चैंपियन सीएसके में नौ रिक्तियां हैं, जिनमें से चार विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।

इस नीलामी से पहले रिलीज़ किए गए कई खिलाड़ियों ने 2 करोड़ रुपये की शीर्ष मूल्य सीमा को चुना है। इसमें श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी शामिल हैं, जिन्हें सीएसके ने पिछले साल 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, लेकिन डेथ ओवरों के विशेषज्ञ के रूप में उनकी कीमत के बावजूद, चोट से जूझने के बाद रिलीज़ कर दिया था। इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन, जिन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 8.75 करोड़ रुपये में खरीदा था, भी एक निराशाजनक सीज़न के बाद खुद को पूल में वापस पाते हैं।

भारतीय खिलाड़ियों में, वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई, दोनों ने खुद को 2 करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर सूचीबद्ध किया है। बिश्नोई, जिन्हें पिछले साल लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, को फ्रैंचाइज़ी के साथ चार सीज़न बिताने के बाद जाने दिया गया। इस लंबी सूची में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का नाम शामिल नहीं है। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने पिछले सीज़न में उन्हें 4.2 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन अब 37 वर्षीय मैक्सवेल की 2025 सीज़न के बीच में उंगली में फ्रैक्चर हो गया और उनकी जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिशेल ओवेन को शामिल किया गया है, जिन्हें रिटेन किया गया है।

शास्त्री बोले, गंभीर की जगह मैं होता तो हार की पूरी जिम्मेदारी लेता

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टेस्ट क्रिकेट में टीम के खराब प्रदर्शन पर निराशा जतायी है। शास्त्री के अनुसार टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने से कोच कोच गौतम गंभीर बच नहीं सकते। कोच के अलावा टीम के खराब प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी भी जिम्मेदार हैं क्योंकि जिस प्रकार से लगातार विकेट गिरे उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। जहां तक विकेट को स्पिनरों से अधिक

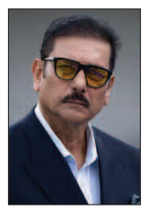

सहायता मिलने की बात है। उसका भी बहाना नहीं चलेगा क्योंकि हम शुरुआत से ही ऐसे ट्रैक पर खेलते रहे हैं। 2012 से 2024 तक घरेलू धरती पर एक भी सीरीज नहीं हारने वाली भारतीय टीम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद 2 घरेलू सीरीज हारी है। उसे पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से हराया। वहीं अब दक्षिण अफ्रीका ने 2-0 से पराजित किया है। शास्त्री ने कहा कि अगर ये उनके साथ होता तो वह सारी जिम्मेदारी स्वयं ले लेते। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में जिस प्रकार 100 रन पर एक विकेट से 130 रन पर 7 विकेट गिरे हैं। ये टीम खराब भी नहीं है। उनके पास बहुत प्रतिभा है। खिलाड़ियों को भी कुछ जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आप क्रिकेट खेलने की जब शुरुआत करते हैं, तब से स्पिन खेले हैं।' जब ने उनसे ये पूछा कि क्या वह मुख्य कोच गंभीर का बचाव कर रहे हैं, तब शास्त्री ने कहा, मैं (उनका) बचाव नहीं कर रहा। सौ फीसदी वह भी जिम्मेदार हैं। शास्त्री जब कोच थे तब विराट कोहली टीम के कप्तान थे। उस समय भारतीय टीम घर में हराने और सीरीज जीतने की ताकत रखती थी। शास्त्री-कोहली के समय में भारतीय टीम अपनी धरती पर केवल दो टेस्ट हारी थी। शास्त्री भारत के सबसे सफल कोच में से एक हैं। उनके कार्यकाल में 2017 से 2021 तक भारत का टेस्ट में जीत का रिकार्ड 65 का रहा था।

लंबी अवधि के प्रारूप मुझे रास आते हैं, विकेटों के बीच दौड़ने पर कोहली से सलाह लेता हूं: तिलक वर्मा

मुम्बई। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को लंबे प्रारूपों में खेलना रास आता है और वह विराट कोहली से फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह ले रहे हैं ताकि आने वाले मौकों का पूरा फायदा उठा सकें। तेइस वर्षीय इस खिलाड़ी ने अब तक सिर्फ चार वनडे खेले हैं जबकि उन्हें टेस्ट टीम में मौका मिलने का इंतजार है। उन्होंने

कहा कि मौजूदा वनडे श्रृंखला में टीम में कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। तिलक ने 'जियोस्टार' से कहा, '' वनडे और टेस्ट क्रिकेट मेरे खेल के मुताबिक है और मैं इसका अधिक लुत्फ उठाता हूं। मैं और वनडे खेलने के लिए उत्साहित हूं। जब रोहित भाई और विराट भाई एक ही टीम में होते हैं, तो आत्मविश्वास का स्तर बिल्कुल अलग होता है।'' उन्होंने रोहित और कोहली की तारीफ करते हुए कहा, ''उनके पास अपार अनुभव और ज्ञान है। मैं बेहतर होने के लिए उनसे ज्यादा से ज्यादा सलाह लेने की कोशिश करता हूं।' इस युवा वामहस्त बल्लेबाज ने कहा कि वह कोहली से खास तौर पर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह लेते रहे हैं क्योंकि वह इस मामले में वह उत्कृष्टता हासिल करना चाहते हैं। तिलक ने कहा, ''मैं विराट भाई से काफी बात करता हूं, खासकर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में उनकी सलाह लेता हूं। मुझे भी दौड़ना पसंद है और मुझे लगता है कि इस मामले में मैं काफी तेज हूं।'' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला के बारे में तिलक ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुझे जब भी मौके मिलेंगे, मैं उन मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहूंगा। मैं वनडे और टेस्ट में भी खुद को साबित करना चाहता हूं।

जूनियर महिला वर्ल्ड कप : भारत की नामीबिया पर बड़ी जीत, 13-0 से हराया

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। भारतीय टीम ने पूल सी के अपने पहले मैच में नामीबिया को 13-0 से रौंद कर महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड एस्टाडियो नैशनल में खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कनिका सिवाच ने (12वें, 30वें, 45वें) मिनट और हिना बानो (35वें, 35वें, 45वें) मिनट में शानदार हैट्रिक लगाकर स्कोरिंग में सबसे आगे रहीं, जबकि साक्षी राणा ने (10वें, 23वें) मिनट में दो गोल किए।

भारत के शानदार प्रदर्शन में बिनिमा धन ने (14वें), सोनम ने (14वें), साक्षी शुक्ला ने (27वें), इशिका ने (36वें), और मनीषा ने (60वें) मिनट में एक-एक गोल किया। भारत ने शुरू में ही लय बना ली और विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। 10वें मिनट में सफलता मिली जब साक्षी राणा ने एक तेज रिवर्स फ्लिक से गोल किया। कनिका सिवाच ने जल्द ही एक जबरदस्त फिनिश के साथ अपना दूसरा गोल किया। इससे पहले बिनिमा धन और सोनम के तेज स्ट्राइक ने पहले क्वार्टर के आखिर तक स्कोर 4-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी एकतरफा मुकाबला जारी रहा जब राणा ने अपना दूसरा गोल किया, और साक्षी शुक्ला ने पेनल्टी-कॉर्नर ड्रैगफ्लिक को गोल में बदला। सिवाच ने हाफ-टाइम से ठीक पहले एक और गोल करके बढ़त को 7-0 कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में भी उसी लय के साथ शुरुआत की। हिना बानो ने जल्दी-जल्दी दो गोल किए, जिसमें एक टॉप-कॉर्नर फिनिश भी शामिल था, इसके बाद इशिका ने एक रिबाउंड पर गोल करके स्कोर डबल-डिजिट तक पहुंचाया।

बानो ने पेनल्टी-कॉर्नर डिफ्लेक्शन से अपनी हैट्रिक पूरी की और सिवाच ने कुछ ही पल बाद अपनी हैट्रिक पूरी करके स्कोर को आखिरी क्वार्टर में 12-0 कर दिया। कई रोटेशन के बावजूद, भारत का दबदबा बना रहा और मनीषा के आखिरी पेनल्टी-कॉर्नर पर किए गए गोल ने 13-0 की जीत पूरी की। भारतीय टीम बुधवार को अपने अगले ग्रुप-स्टेज मैच में जर्मनी भिड़ेगी।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से खिलाड़ियों को लाभ होगा : लवलीना बोरगोहेन

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने कहा है कि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से उभरते हुए खिलाड़ियों को लाभ होगा। बोरगोहेन ने मेजबानी मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे युवा प्रतिभाओं को खेलों में आगे बढ़ने और वैश्विक मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा मिलेगी। साथ ही कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ता है। भारतीय मुक्केबाज ने कहा कि यह देश के लिए एक अच्छा है क्योंकि जब देश में कोई बड़ी प्रतियोगिता होती है, तो खिलाड़ियों को और भी अवसरा मिलते हैं। यह गुजरात में आयोजित होगा, इसलिए वहां के खिलाड़ियों को विशेष लाभ होगा। इससे पहले भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 100वें राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के अधिकार मिलने पर प्रशंसा करते हुए कहा कि देश की सामूहिक प्रतिबद्धता ने वैश्विक खेल मंच पर भारत का स्थान मज़बूती से स्थापित किया है। बरहाल खिलाड़ी इन खेलों की तैयारियों को शुरु करने लगे हैं। निशानेबाज सरबजोत सिंह ने कहा कि 2030 में होने वाले इन खेलों को लेकर वह उत्साहित है। उन्होंने कहा कि यह ये खेल अहमदाबाद में आयोजित होगी, जिसमें खिलाड़ियों को अच्छी सुविधा मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि इन खेलों में देश को कई पदक मिलना तय है। उन्होंने बताया कि वह हर दिन चार से पांच घंटे अभ्यास कर रहे हैं। वहीं हाल में कजाकिस्तान में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में रजत पदक विजेता आदित्य मालरा ने कहा है कि देश में राष्ट्रमण्डल खेलों को लेकर काफी उत्साह है, क्योंकि पहले भारत के खिलाड़ी बाहर इन खेलों को खेलने जाया करते थे, लेकिन अब बाहर विदेशों के खिलाड़ियों को भी भारत में यह खेल खेलने का अवसर मिल रहा है। मिलेगा।

38 की उम्र में रोहित की आक्रामक पारी देखकर हैरान हैं इरफान पठान

मुम्बई। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में आकामक बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने के लिए सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। रोहित ने पहले ही एकदिवसीय में शानदार पारी के साथ ही दिखाया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है। टेस्ट और टी20 से संन्यास लेने के बाद रोहित की यह पारी दिखाती है कि उनका फार्म अब भी बरकरार है। इसी को लेकर पठान ने कहा कि 38 साल की उम्र में जिस प्रकार से रोहित ने बल्लेबाजी की है। उससे उनकी फार्म का अंदाजा होता है। पठान ने कहा, रोहित अपने करियर के सबसे अच्छे दौर में दिख रहे हैं। वह 38 साल के हो गये ये लगता ही नहीं है। उन्होंने फिटनेस में काफी सुधार किया है पर जिस तरह उन्होंने हालातों को देखकर बल्लेबाजी की है। उससे अंदाजा होता है कि वह किस मानसिकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। रोहित ने इस मैच में एक और बड़ा विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने तीन छक्के लगाकर एकदिवसीय में तेजी से अपनी 350 छक्के पूरे किये हैं।

इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के लिए घोषित की टीम, वुड की जगह जैक्स को शामिल किया

ब्रिसबेन। इंग्लैंड ने गुरुवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम में बदलाव करते हुए तीन साल से टीम से बाहर चल रहे स्पिन ऑलराउंडर विल जैक्स को चोटिल मार्क वुड की जगह शामिल किया है। दूसरा टेस्ट मैच 4 दिसंबर से गाबा मैदान में खेला जाएगा। यह इंग्लैंड की टीम में एकमात्र बदलाव है। पर्थ में पहले टेस्ट में मिली हार के बाद इंग्लैंड ने एक स्पिनर को भी रखने का फैसला किया है। जैक्स को शुएब बशीर पर इसलिए वरीयता दी गयी है क्योंकि वह बल्लेबाजी भी अच्छी करते हैं। जैक्स ने इससे पहले इंग्लैंड के लिए दो टेस्ट मैच खेले हैं और 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में पांच विकेट लिए थे।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार है : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स, जोफा आर्चर।

SMAT: हार्दिक पांड्या की पेशेवर क्रिकेट में धमाकेदार वापसी, ठोका शानदार अर्धशतक, बड़ौदा जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय बाद पेशेवर क्रिकेट में लौटे हार्दिक पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) में आते ही ऐसा प्रभाव छोड़ा कि पूरे भारतीय क्रिकेट जगत की नजरें उनकी ओर टिक गईं। हैदराबाद में खेले गए इस मुकाबले में हार्दिक ने सिर्फ 42 गेंदों पर नाबाद 77 रन ठोककर बड़ौदा को पंजाब पर यादगार जीत दिला दी। यह पारी न सिर्फ उनकी बल्लेबाजी की पुरानी चमक को दर्शाती है, बल्कि उनके ऑलराउंड कौशल का भी शानदार उदाहरण है। उनकी यह वापसी आने वाले दिनों में भारतीय टीम संयोजन के लिए भी बड़े संकेत देती है।

हार्दिक की आतिशी पारी ने पलटा मैच का मोमेंटम

बड़ौदा के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपनी वापसी मैच को एक विशेष मौके में बदल दिया। 42 गेंदों में नाबाद 77 रन की तूफानी पारी में सात चौके और चार छक्के शामिल थे। उनकी बैटिंग में वही पुरानी ताकत, टाइमिंग और मैच को हाथ में लेने की क्षमता साफ दिखाई दी। पारी की शुरुआत ठंडी थी, लेकिन हार्दिक ने आते ही रफ्तार पकड़ी और पंजाब बॉलिंग अटैक की लाइन-लेथ को पूरी तरह हिला दिया। एक समय मुश्किल लग रहा लक्ष्य हार्दिक की आक्रामक बल्लेबाजी से बेहद आसान हो गया।

शिवालिक शर्मा के साथ 101 रन की गेम-चेंजिंग पार्टनरशिप

हार्दिक के दमदार प्रदर्शन का सबसे अहम हिस्सा रहा शिवालिक शर्मा के साथ उनकी 101 रन की साझेदारी। शिवालिक ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए और बेहद समझदारी से रिटायर्ड आउट होकर हार्दिक को एंड पर स्ट्राइक रखने का मौका दिया।

इस साझेदारी ने मैच का पूरा रूख

बदल दिया और बड़ौदा को अंत में मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टीम को आखिरी 15 गेंदों पर 30 रन चाहिए थे, लेकिन नए बल्लेबाज जितेश शर्मा के आने के बाद चीजें और आसान हो गईं।

बड़ौदा का दबदबा

जितेश शर्मा ने आते ही तेजी से रन जोड़े और हार्दिक का शानदार साथ निभाया। केवल 9 गेंदों में बड़ौदा ने जरूरी रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। लक्ष्य भले ही बड़ा लग रहा था, लेकिन हार्दिक की शानदार टाइमिंग और आक्रामक अंदाज ने पंजाब की गेंदबाजी को बेअसर कर दिया।

हार्दिक का गेंदबाजी प्रदर्शन : महंगा लेकिन प्रभावी

बल्लेबाजी के अलावा हार्दिक ने गेंद से भी योगदान दिया। हालांकि उनका चार ओवर का स्पेल थोड़ा महंगा रहा (52 रन), लेकिन उन्होंने 1 विकेट चटकाया। उनकी गेंदबाजी की लय अभी पूर्ण रूप से लौटती नहीं दिखी, लेकिन वापसी मैच को देखते हुए यह प्रयास सराहनीय माना जा रहा है। आने वाले मुकाबलों में वे और बेहतर लय में लौट सकते हैं।

पंजाब की तेज शुरुआत भी नहीं दिला सकी जीत

पंजाब की ओर से अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 19 गेंदों में फिफ्टी लगाकर शानदार शुरुआत दी। उनके अलावा अनमोलप्रीत सिंह ने 32 गेंदों में 69 रनों की दमदार पारी खेली। इन दोनों की तेज बल्लेबाजी से पंजाब का स्कोर मजबूत दिख रहा था, लेकिन उनकी गेंदबाजी हार्दिक और शिवालिक की साझेदारी को रोक नहीं पाई।

ग्रुप सी की स्थिति, गुजरात शीर्ष पर

इस जीत के बाद ग्रुप सी में बड़ौदा और पंजाब दोनों के दो-दो मैच पूरे हो चुके हैं। वहीं गुजरात चार मैचों में तीन जीत के साथ ग्रुप में सबसे आगे है। हार्दिक की यह वापसी न सिर्फ बड़ौदा के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए भी एक बड़ा सकारात्मक संकेत है, जो उन्हें फिर से अपने पुराने अंदाज में देखने के लिए उत्सुक थे।

रुक्मिणी वसंत का सीक्रेट माइंड मैजिक जो उन्हें जमीन पर टिकाए रखता है!

तेज़ रफ्तार शेड्यूल, लगातार सफ़र और हर दिन नई-नई चुनौतियाँ — एक उभरती अभिनेत्री की ज़िंदगी बाहर से जितनी ग्लैमरस दिखती है, अंदर उतनी ही तूफ़ानी हो सकती है। लेकिन रुक्मिणी वसंत ने इस तूफ़ान के बीच अपनी शांति ढूंढ़ ली है — एक बेहद सरल, बेहद निजी और चौंकाने वाला रिचुअल - जर्नलिंग। हाँ, डायरी में लिखना — वही पुरानी आदत, जिसे हममें से कई लोग छोड़ चुके हैं — यही रुक्मिणी की सबसे बड़ी सुपरपावर है। चाहे दिन कितना भी भागमभाग वाला हो, चाहे सेट पर कितने भी सीन हों, चाहे सफ़र कितना भी लंबा हो, रुक्मिणी रात को अपनी डायरी के पन्नों से ज़रूर मिलती हैं। यह उनका तरीका है खुद से दोबारा जुड़ने का, मन के शोर को शांत करने का और ज़िंदगी को एक साफ़ नज़र से देखने का। वह इस रिचुअल पर खुलकर कहती हैं, जर्नलिंग वही जगह है जहाँ मैं रुककर खुद को देख पाती हूँ। मैं अपनी पुरानी डायरीज़ खूब पढ़ती हूँ — वो नज़रिया देती हैं। बिर्बल से पहले की मेरी चिंता, ड्रामा स्कूल के दिनों की उलझनेंज आज से इतनी अलग, पर उतनी ही सच्ची। इससे समझ आता है कि जो आज बड़ा तूफ़ान लग रहा है, कुछ साल बाद वही हल्की सी हवा जैसा।

दिल्ली क्राइम 3 की सफलता का लुत्फ उठा रही शेफाली शाह

एक्ट्रेस शेफाली शाह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 की सफलता का आनंद उठा रही हैं। दर्शक उनकी दमदार अदाकारी की सराहना कर रहे हैं। इस कड़ी में शेफाली ने दर्शकों का आभार जताया। शेफाली शाह ने कहा, मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में ऐसे रोल मिले, जिन्होंने न सिर्फ मुझे चुनौती दी, बल्कि दिल की गहराइयों को भी छुआ। दिल्ली क्राइम का गंभीर किरदार, डार्लिंग्स में निभाया गया जटिल रोल और करियर की शुरुआती फिल्म सत्या के अनुभव... इन सभी ने मेरे अभिनय को नई दिशा दी। इन भूमिकाओं को दर्शकों से जितना प्यार मिला, वह मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। हर किरदार ने मुझे एक अलग तरह से बदला, एक कलाकार के रूप में संवारा और यह सफर मेरे लिए बेहद सीखने का अवसर रहा। उन्होंने कहा, जब मैं अपने सफर के बारे में बात करती हूं, तो मुझे हमेशा याद आता है कि मैंने स्टोरीटेलिंग से प्यार क्यों किया था। मेरे लिए अभिनय सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो लगातार सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जब दर्शक मेरे अभिनय को समझते हैं, महसूस करते हैं और उसकी सराहना करते हैं, तो यह एक कलाकार के तौर पर बहुत भावुक और संतोष देने वाला अनुभव होता है। बता दें कि आईएफपी महोत्सव में हर साल बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार, निर्देशक और उद्योग विशेषज्ञ वक्ता, मेंटर्स और जजों के रूप में शामिल होते हैं। यह नए और स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं, लेखकों और कंटेंट क्रिएटर्स को अपना काम दिखाने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यहां से कई उभरते हुए टैलेंट को बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफार्मों में काम करने का मौका मिलता है। शेफाली ने कहा कि आईएफपी ने ऐसा माहौल बनाया है जहां कलाकार और दर्शक एक-दूसरे से ईमानदारी के साथ जुड़ते हैं। यह मंच क्रिएटर्स को न सिर्फ अपनी कला दिखाने का अवसर देता है, बल्कि विचारों का ऐसा खुला आदान-प्रदान करवाता है जो उन्हें और भी बेहतर बनाने में मदद करता है।

विजय सेतुपति और निर्देशक पुरी जगन्नाथ की पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग हुई पूरी

साउथ एक्टर विजय सेतुपति इन दिनों साउथ निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म में काम कर रहे हैं। आज फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई है। इसी मौके का एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुरी और विजय फिल्म के बारे में खास बातें करते नजर आ रहे हैं।

विजय काफी समय से निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, जो आज पूरी हो चुकी है। फिल्म के सेट से एक वीडियो पुरी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें फिल्म के आखिरी दिन के शूट को लेकर विजय बेहद उदास नजर आए। इस वीडियो में एक्ट्रेस चार्मी कौर वीडियो कॉल पर नजर आ रही हैं और दोनों से फिल्म को लेकर बातें कर रही हैं। चार्मी, विजय और पुरी का यह वीडियो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। पुरी और विजय ने फिल्म की शूटिंग के आखिरी दिन को लेकर कहा कि वे पहले से ही एक-दूसरे को मिस कर रहे हैं। फिल्म निर्माताओं का पोस्ट पुरी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस वीडियो को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, Puri Sethupathi की फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। सेट पर कई महीनों की भावनात्मक और आनंदमय यात्रा के बाद, टीम ने फिल्म की पूरी शूटिंग खत्म कर ली है। जल्द ही कुछ रोमांचक अपडेट के लिए तैयार हो जाइए। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

विजय और पुरी की आने वाली फिल्म के बारे में

विजय सेतुपति की इस आगामी फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में अभिनेत्री संयुक्ता नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल 23 सितंबर, 2025 को रिलीज होना था, लेकिन कुछ वजहों से इसमें देरी हो गई। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है। इस फिल्म में विजय और संयुक्ता के अलावा तब्बू भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। वहीं ब्रह्माजी सहायक भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा 2025 में की गई थी और इसकी शूटिंग जून 2025 में शुरू हुई थी। इस फिल्म का निर्माण पुरी कनेक्ट्स और जेबी मोशन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। इस फिल्म का संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर ने तैयार किया है।

कीर्ति सुरेश ने सुनाई व्यथा

कहा- लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस और नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं कीर्ति सुरेश ने अब एक्टर्स के काम के घंटों पर नई बहस छेड़ दी है। दसारा और बेबी जॉन की एक्ट्रेस ने दीपिका पादुकोण के 8 घंटे काम की मांग के महीनों बाद कहा है कि 8 घंटे काम करने के दौरान भी, एक एक्टर को सोने के लिए जरूरी समय नहीं मिल पाता है। हैदराबाद में अपनी अगली फिल्म रिवॉल्वर रीटा के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा कि कम घंटे काम करने के आइडियल सिनेरियो में भी एक एक्टर को महज 6 घंटे की ही नींद मिलती है। दिग्गज फिल्ममेकर-एक्टर जी. सुरेश कुमार की बेटी कीर्ति ने कहा, सुबह 9 बजे की शिफ्ट के लिए, अगर मुझे सुबह 7.30 बजे तक वहां पहुंचना है, तो मुझे सुबह 6.30 बजे घर से निकलना होगा और सुबह 5.30 बजे तक उठना होगा। शाम को लगभग 6 या 6.30 बजे पैक-अप के बाद, घर वापस जाना पड़ता है, कपड़े बदलने पड़ते हैं, एक्सरसाइज करनी पड़ती है, डिनर करना पड़ता है, और सोने के लिए जरूरी घंटे निकालने के लिए स्ट्रगल करना पड़ता है।

कीर्ति सुरेश ने आगे कहा, अब, मुझे रात 11.30 बजे सोने के बाद सुबह 5:30 बजे फिर उठना पड़ता है। कीर्ति ने बताया कि कैसे आठ घंटे की वर्क शिफ्ट, जिसे एक आइडियल सिनेरियो माना जाता है, उसमें भी सोने का समय मुश्किल से ही शामिल होता है, जबकि एक एडल्ट बॉडी के लिए आइडियल जरूरत आठ घंटे की नींद है। उन्होंने कहा, हम कहते हैं कि आठ घंटे की नींद अच्छी है, लेकिन हम मुश्किल से छह घंटे सो पाते हैं। यह एक आइडियल 9 बजे से 6 बजे तक की शिफ्ट में है। कीर्ति सुरेश बोलीं- लाइटमैन तो 2-3 घंटे ही सो पाते हैं साल 2018 में महानति के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पा चुकीं कीर्ति ने बताया कि हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर 12 घंटे की शिफ्ट होती है। उन्होंने सिर्फ एक्टर्स ही नहीं, बल्कि फिल्म के क्रू मेंबर्स खासकर लाइटमैन की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, केरल में लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं। हालांकि, नींद भी खाने या एक्सरसाइज जितनी ही जरूरी है। ये वो साथी हैं, जो सेट पर एक्टर्स से भी पहले पहुंचते हैं।

सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है

रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। छोटे शहर जमशेदपुर से बड़े पर्दे तक उनका सफर मेहनत, लगन और हिम्मत की कहानी है। 'मिर्जापुर', 'मंटो' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके दमदार किरदारों ने उन्हें अलग पहचान दी। हालांकि करियर के शुरुआती दौर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई प्रोड्यूसर्स ने कहा कि वे सेलेबल नहीं हैं, यहां तक कि एक डायरेक्टर ने उनसे असम्मानजनक व्यवहार भी किया था। लेकिन रसिका ने ऐसे लोगों से हमेशा दूरी बनाए रखी और अपने काम पर ध्यान दिया। किराया भरने की चिंता और बार-बार रिजेक्शन झेलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। रसिका का मानना है कि सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि हर दिन खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है।

मैंने ऐसे कभी नहीं सोचा था कि एक्टर ही बनना है, लेकिन जिसमें भी मुझे मौका मिलता, मैं वो बड़े मजे से करती थी। एक्टिंग को मैं आगे चलकर करियर बनाऊंगी, ये कभी नहीं सोचा था। न फैमिली में कोई ऐसा उदाहरण था सब बिजनेस लाइन से थे। कुछ लोग होते हैं ना, जो बचपन से एक्टर बनने का सपना देखते हैं और बाथरूम में शैंपू की बोतल पकड़कर अपनी विनिंग स्पीच दे रहे होते हैं, वैसा नहीं था मेरे साथ। अनवर के बाद मुझे अनुराग कश्यप की फिल्म 'नो स्मोकिंग' मिली थी। जब मेरा सिलेक्शन हुआ, तो प्रोड्यूसर ने बुलाया और कहा कि आकर पैसों पर बात कर लो। मैं गई, तो उन्होंने पूछा, कितने पैसे लोगी? मैंने थोड़ी हिम्मत करके कहा कि प्रतिदिन 7500 रुपए। वो बोले, अरे, ये तो बहुत ज्यादा है, थोड़ा कम करो। घर आकर मैंने अपने दोस्त दीपक डोबरियाल को बताया, तो वो हंसने लगा और बोला, तूने इतना मांग भी लिया! फिर बात तय हुई और मुझे प्रतिदिन 5000 रुपए मिले। जबकि पहली फिल्म 'अनवर' के लिए तो सिर्फ 3000 रुपए प्रतिदिन मिले थे।

इंटीमेट सीन कहानी की जरूरत थी, सेंसशनलाइज नहीं किया गया

रसिका दुग्गल ने अपने एक्टिंग करियर में कई फिल्मों और वेब सीरीज में दमदार भूमिका निभाई है। खास करके वेब सीरीज मिर्जापुर में बीना त्रिपाठी की भूमिका ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इस सीरीज में उनके इंटीमेट सीन की भी खूब चर्चा हुई। उस सीन के बारे में रसिका कहती हैं- वो सीन स्क्रिप्ट के पॉइंट ऑफ व्यू से जरूरी था। उसे जबरदस्ती या सेंसशनलाइज करने के लिए नहीं डाला गया था। पुनित कृष्ण जो राइटर हैं, उन्होंने हर किरदार को बहुत सेंसिटिवली बिल्ड किया था। रही बात इंटिमेट सीन की तो पुनित, गुरमीत और करण ने शूट से पहले मुझे हर शॉट के बारे में बताया। सेट पर कौन मौजूद होगा, क्लोज सेट रहेगा, ये सारी बातें पहले ही डिस्कस हो गई थीं, जो मेरे कंफर्ट के लिए जरूरी थीं। अब तो इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर आ गए हैं, लेकिन तब नहीं थे।

खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए

मेरे लिए सफलता का मतलब सिर्फ नाम या शोहरत नहीं है। मुझे तब लगता है कि कुछ हासिल किया है जब मैं अपना काम दिल से कर पाऊं और वो मुझे सच्ची खुशी दे। अगर हर दिन कुछ नया सीखने को मिले, कुछ नया खोजने को मिले, तो वही मेरे लिए सक्सेस है। मुझे लगता है कि इंसान को बार-बार खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए, क्योंकि वहीं से आगे बढ़ने की असली प्रेरणा मिलती है। और ऐसा तभी हो सकता है जब आप रिस्क लेने की हिम्मत रखें, डरने के बजाय नए अनुभवों को अपनाने की कोशिश करें।

दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर ने ब्लॉकबस्टर सी फील दी

मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट नंदिता दास की फिल्म मंटो से आया। उससे पहले इरफान खान और तिलोत्तमा के साथ किस्सा जैसी खास फिल्में कीं, पर मंटो ने नया रास्ता दिखाया। उस समय कई डायरेक्टर्स मुझे प्रोजेक्ट में लेना चाहते थे, लेकिन प्रोड्यूसर्स ने कहा- मैं सेलेबल नहीं हूं। फिर नंदिता ने मुझमें भरोसा जताया और मंटो में सफिया मंटो का रोल दिया। यही निर्णायक मोड़ रहा। उसके बाद दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर जैसे शो आए, जिसने बड़े ऑडियंस के सामने मेरी पहचान बनाई और ब्लॉकबस्टर सी फील दी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।